राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 24 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-33 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

औरंगजेब पर 'संघ', हमारा आइकॉन कौन हो, सोचना जरूरी

- सरकार्यवाह होसबाले ने कहा- हमलावर सोच देश के लिए खतरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश में इस समय औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद चल रहा है। इस बीच, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि क्या औरंगजेब भारत के लोगों के लिए आइकॉन हो सकता है। देश का आइकॉन कोई बाहरी होगा या फिर कोई और। इस पर चिंतन की जरूरत है। बेंगलुरु में आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की तीन दिन की बैठक का रविवार को आखिरी दिन था। इसके बाद होसबाले ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में विवाद को लेकर बयान दिया। वहीं, होसबाले ने कर्नाटक में सरकारी कॉन्ट्रैक्ट में 4 फीसदी मुस्लिम आरक्षण पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा- डॉ. भीमराव अंबेडकर के लिखित संविधान में धर्म आधारित आरक्षण स्वीकार नहीं किया गया है। कर्नाटक सरकार ने हाल ही में आरक्षण को लेकर बिल पास किया है। कर्नाटक में भाजपा शासन के दौरान सरकार पर संघ का दबाव था। क्या मंत्रियों के निजी सहायक के रूप में संघ के पदाधिकारियों को की नियुक्ति के लिए दबाव बनाया जाता था। इस पर होसबाले ने कहा- नियुक्ति के लिए कभी दबाव नहीं डाला गया। आरएसएस के शताब्दी समारोह को लेकर होसबाले ने कहा- आरएसएस का शताब्दी वर्ष कोई उत्सव नहीं, बल्कि

आत्मनिरीक्षण, स्वीकृति और समाज को संगठित करने के लिए खुद को फिर से समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने 2025-2026 के लिए संघ के कार्यक्रमों की भी घोषणा की। आरएसएस के प्रस्ताव में दावा किया गया है कि हिंसा सिर्फ बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है बल्कि यह क्षेत्र को अस्थिर करने के बड़े प्रयास का हिस्सा है। इसमें कहा गया है, अंतरराष्ट्रीय ताकतों, खास तौर पर पाकिस्तान और डीप स्टेट द्वारा पड़ोसी देशों के बीच अविश्वास और दुश्मनी का माहौल बनाने की एक सुनियोजित कोशिश की जा रही है। आरएसएस ने आरोप लगाया कि ये तत्व बांग्लादेश में भारत विरोधी बयानबाजी को भड़काने के लिए काम कर रहे हैं, जिससे नई दिल्ली -ढाका राजनयिक संबंधों को नुकसान पहुंच सकता है। आरएसएस के संयुक्त महासचिव अरुण कुमार ने बांग्लादेश में हिंदू आबादी में तेज गिरावट की ओर इशारा करते हुए इसे अस्तित्व का संकट बताया। जनगणना के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि 1951 में बांग्लादेश की आबादी में हिंदुओं की संख्या 22 फीसदी थी, जो अब घटकर 7.95 फीसदी रह गई है। प्रस्ताव में इस जनसांख्यिकीय बदलाव पर भी चर्चा की गई।

संभल हिंसा में ऐक्शन, वकील जफर अली गिरफ्तार

- जामा मस्जिद के सदर को सुबह घर से उठाया

संभल (एजेंसी)। संभल हिंसा के 4 महीने बाद जामा मस्जिद के सदर जफर अली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले पुलिस ने जफर अली को रविवार सुबह 11 बजे घर से उठाया। करीब 4 घंटे कोतवाली में पूछताछ की। जफर अली को अब चंदौसी कोर्ट ले जाया गया है। वहीं, जफर अली की गिरफ्तारी के बाद उनके साथी अधिवक्ता पुलिस की गाड़ी के पीछे भागने लगे। लोगों ने जफर अली

जिंदाबाद के नारे लगाए। जफर अली का घर मस्जिद से 100 मीटर दूर है। तनाव को देखते हुए इलाके में 200 से ज्यादा जवान तैनात किए गए हैं। 5 थानों की फोर्स भी जामा मस्जिद इलाके में पहुंच गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दंगा भड़काने की साजिश रचने में जफर अली को गिरफ्तार किया गया है। संभल में 24 नवंबर को जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा हुई थी। इसी मामले में एसआईटी प्रभारी कुलदीप सिंह, एसीपी (उत्तरी) श्रीचंद्र और सीओ संभल अनूप चौधरी उनसे सवाल-जवाब किए। इससे पहले, हिंसा के एक दिन बाद यानी 25 नवंबर को पुलिस ने जफर को उठाया था और कोतवाली में उनसे पूछताछ की थी।

शाह का पश्चिम बंगाल दौरा फिर टला

पहले पूर्वी मेदिनापुर और अब कोलकाता दौरा भी हुआ रद्द

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी के संगठन की स्थिति का जायजा लेने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहुंचने वाले थे। उनका यह दौरा कुछ समय के लिए टाल दिया गया

- बंगाल में अगले साल चुनाव को लेकर पार्टी की बड़ी तैयारी

है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने बताया कि अमित शाह का 29-30 मार्च का दौरा प्रस्तावित थी लेकिन फिलहाल वह बंगाल नहीं आ रहे हैं। इसके पीछे ईद होना बताया जा रहा है। पहले तय कार्यक्रम के

अनुसार, केंद्रीय मंत्री अमित शाह को 29 मार्च की रात कोलकाता पहुंचना था। उन्हें 30 मार्च को पार्टी की कई संगठनात्मक बैठकों में भाग लेना था। 30 की रात तक कई कार्यक्रमों और मीटिंग में भाग लेने के बाद रात में उन्हें दिल्ली वापस लौटना था। सुकांत मजूमदार ने बताया कि ईद के त्योहार के कारण दौरा स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि लेकिन निश्चित रूप से वह (अमित शाह) बहुत जल्द राज्य का दौरा करेंगे। बदली हुई तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। बंगाल बीजेपी अध्यक्ष ने यह भी कहा कि अगले साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों को देखते हुए न केवल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बल्कि बीजेपी के अन्य केंद्रीय नेता भी आने वाले दिनों में राज्य का दौरा करेंगे। यह पहली बार नहीं है जब केंद्रीय गृह मंत्री का पश्चिम बंगाल दौरा टाला गया है। इससे पहले जनवरी में अमित शाह को पूर्वी मिदनापुर जिले में एक जनसभा को संबोधित करना था।

सीबीआई की रिपोर्ट, सुशांत केस में हत्या के सबूत नहीं

रिया के वकील बोले-झूठी कहानियां बनाई गईं, परिवार चुप रहकर सब सहता रहा

मुंबई (एजेंसी)। सुशांत सिंह राजपूत डेथ केस में सीबीआई ने 4 साल 6 महीने 15 दिन बाद फाइनल क्लोजर रिपोर्ट फाइल की है। जिसमें जांच एजेंसी ने कहा है कि आत्महत्या के लिए सुशांत को उकसाने का कोई सबूत नहीं मिला है। सुशांत सिंह राजपूत 14 जून 2020 को बांद्रा में अपने घर पर रहस्यमय तरीके से मृत पाए गए थे। मीडिया और विपक्षी दलों के प्रेशर की वजह से इस मामले की जांच को सीबीआई को सौंपा गया। अब सीबीआई की आखिरी रिपोर्ट में मौत की असल वजह सुसाइड ही बताई गई है। इस मामले में रिया चक्रवर्ती को 27 दिन जेल में रहना पड़ा था।

सीबीआई की तरफ से फाइनल रिपोर्ट सामने आने के बाद रिया के वकील सतीश मानेशिंदे ने बयान जारी कर कहा कि इस मामले में कई झूठी कहानियां बनाई गईं। इसके बावजूद रिया और उनका परिवार चुप रहकर सब सहता रहा। रिया पर आत्महत्या के लिए उकसाने, धोखाधड़ी और पैसों के हेरफेर के आरोप लगाए गए थे।

भारत अपनी 'भारत पहले' नीति पर रहेगा कायम

- विदेश मंत्री जयशंकर बोले-फायदा-नुकसान देखना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत की मुक्त व्यापार रणनीति पर बात की है। उन्होंने ट्रेड पॉलिसी से जुड़े कई पहलुओं पर से पर्दा उठाया है। बिजनेस टुडे के एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री ने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते

हमेशा से भारत के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। अब तो ये और भी जरूरी हो गए हैं। भारत इस बात को समझता है। फिलहाल, भारत तीन महत्वपूर्ण समझौतों पर काम कर रहा है। ये समझौते यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के साथ हैं। न्यूजीलैंड के साथ भी बातचीत शुरू हो गई है। कुछ और समझौते भी पाइपलाइन में हैं।

मेहुल चोकसी को भारत लाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गीतांजलि जेम्स के मालिक और 13,850 करोड़ रुपए के बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी अपनी पत्नी प्रीति चोकसी के साथ बेल्जियम में रह रहा है। ये

- पत्नी के साथ बेल्जियम में रह रहा, 13,850 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप

बेल्जियम के एंटवर्प शहर में रेजीडेंसी कार्ड पर रह रहें है। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के बाद 2018 में भारत से एंटीगुआ-बारबूडा भाग गया था। चोकसी को भारत लाने के लिए अधिकारियों ने बेल्जियम सरकार से प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। मेहुल चोकसी और

नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच में 13,850 करोड़ रुपए का घोटाला करने का आरोप है। इससे पहले चोकसी ने पासपोर्ट सस्पेंड होने के कारण भारत नहीं लौट पाने का बहाना बनाया था। 2018 में भारत छोड़ने से पहले ही चोकसी ने 2017 में ही एंटीगुआ-बारबूडा की नागरिकता ले ली थी। मेहुल चोकसी बार- बार खराब सेहत का हवाला देकर भारत में पेशी पर आने से इनकार देता था। कभी-कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ही उसकी पेशी होती है। भारत में उसकी कई संपत्तियां भी जब्त की जा चुकी हैं। चोकसी मई 2021 में एंटीगुआ से गायब होकर पड़ोसी देश डोमिनिका पहुंच गया था। यहां उसे अरेस्ट कर लिया गया। एनआईए की एक टीम उसका प्रत्यर्पण कराने के लिए डोमिनिका पहुंची, लेकिन इसके पहले ही ब्रिटिश क्वीन की प्रिवी काउंसिल से उसे राहत मिल गई। बाद में उसे फिर एंटीगुआ के हवाले कर दिया गया। हालांकि, डोमिनिका की जेल में मेहुल चोकसी को 51 दिन गुजारने पड़े थे। यहां उसने दलील दी थी कि वो एंटीगुआ जाकर वहां के एक न्यूरोलॉजिस्ट से ट्रीटमेंट कराना चाहता है।

यमुना की सफाई को लेकर तगड़े ऐक्शन की तैयारी

- कार धोने के साबुन और डिटर्जेंट पर रोक लगाएगी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार यमुना नदी को साफ करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार कार धोने के लिए इस्तेमाल होने वाले साबुन और डिटर्जेंट पर रोक लगाने की सोच रही है। दरअसल इन प्रोडेक्ट्स में फॉस्फेट और सर्फेक्टेंट होते हैं। ये नाले में जाते हैं और फिर यमुना में मिल जाते हैं। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा

है कि नदी को साफ करने के लिए ऐसे सख्त कदम उठाने जरूरी हैं। सरकार इस रोक को लागू करने के लिए नगर निगम की मदद ले सकती है। सरकार लोगों को कार धोने वाले उत्पादों के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान के बारे में जागरुक करने के लिए अभियान भी चलाएगी। इसके साथ ही, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के पास कार धोने के सेंटर खोलने की योजना है। यहां ट्रीटेड पानी से गाड़ियां धोई जा सकेंगी। बता दें कि बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना को साफ करने का वादा किया था। अब उसे वादे को पूरा करने का दबाव है। जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा, हम यमुना को साफ करने के लिए बहुत गंभीर हैं और हमें इसके लिए सबका साथ चाहिए।

पंजाब की जेल में आएगा सांसद अमृतपाल सिंह

- एएपी सरकार ने एनएसए नहीं बढ़ाया, लाने की तैयारी

अमृतसर (एजेंसी)। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद पंजाब के खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह को पंजाब की जेल में लाया जा सकता है। पंजाब सरकार ने अमृतपाल पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून की अवधि को बढ़ाने के कोई आदेश जारी नहीं किए हैं। इसकी अवधि बीते शनिवार यानी 22 मार्च को ही समाप्त हो चुकी है। अमृतपाल के साथ उसके 2 अन्य साथियों पप्पलप्रीत सिंह और वरिंदर विक्की से भी एनएसए हटाई जा सकती है। इससे पहले हाल ही में अमृतपाल के 7 साथियों को

डिब्रूगढ़ जेल से पंजाब लाया जा चुका है। पंजाब के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक अमृतपाल और उनके साथियों की एनएसए की अवधि बढ़ाने या इससे संबंधित कोई अन्य आदेश जारी नहीं हुआ है। इससे साफ है कि पंजाब सरकार अब अमृतपाल सिंह पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। पंजाब सरकार अमृतपाल सिंह और उसके 2 अन्य साथियों पप्पलप्रीत सिंह और वरिंदर विक्की को पंजाब के अमृतसर लाकर 2023 में अजनाला थाने पर हुए हमले की जांच में शामिल कर सकती है। पंजाब सरकार 21 मार्च को अमृतपाल सिंह के 7 साथियों को लेकर अमृतसर पहुंची और उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड हासिल किया।

जज कैश केस में सुप्रीम कोर्ट ने जारी की जांच रिपोर्ट

नोटों के फोटो-वीडियो वेबसाइट पर डाले, काम देने पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च की देर रात दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से मिले कैश की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर दी। इसमें कैश का वीडियो भी है। साथ ही तीन तस्वीरें भी जारी की गई हैं। इसमें 500 रुपए के जले हुए नोटों के बंडल दिखाई दे

- मोबाइल रिकॉर्ड की जांच होगी, तीन तस्वीरें भी की गई जारी

रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 14 मार्च को जस्टिस के घर आग लगने के बाद फायर ब्रिगेड की टीम वहां पहुंची थीं। आग पर काबू पाने के बाद 4-5 अधजली बोरियां मिलीं, उनके अंदर नोट भरे हुए थे। रिपोर्ट में जस्टिस वर्मा का पक्ष भी

है, जिसमें उन्होंने कहा है कि जिस स्टोर रूम में नोटों की गड्डियां मिलने की बात की जा रही है, वहां उन्होंने या उनके परिवार ने कभी कोई पैसा नहीं रखा। वो एक ऐसी खुली जगह है, जहां हर किसी का आना जाना होता है। उन्हें इस मामले में फंसाया जा रहा है। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय ने इंटरनल इन्क्वायरी के बाद सुप्रीम कोर्ट को 21 मार्च को रिपोर्ट सौंपी थी।

पुलिस की रिपोर्ट: जज के पीए ने दी आग लगने की सूचना

भारतीय मुद्रा पुलिस ने हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को दी रिपोर्ट में कहा है कि 14 मार्च रात 11.45 बजे पीसीआर को जस्टिस वर्मा के 30, तुगलाक क्रेसेंट बंगले में आग लगने की जानकारी मिली। दो दमकल वाहनों को बुलाया गया। आग कोठी की चारदिवारी के कोने में स्थित कमरे में लगी। इन्हीं से लगे कमरे में सुरक्षाकर्मी रहते हैं। शॉर्ट सर्किट से लगी आग पर तुरंत काबू पाया गया। आग बुझने के बाद कमर में अधजले नोट से भरी 4-5 अधजली बोरियां मिलीं। आग की जानकारी जज के निजी सचिव ने दी। जस्टिस वर्मा को कोई भी काम न सौंपने का आदेश 22 मार्च को सीजेआई संजीव खन्ना ने जस्टिस वर्मा पर लगे आरोपों की इंटरनल जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति बनाई थी।

भारत भी बनाएगा 6 पीढ़ी के जेनरेशन लड़ाकू विमान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एफ-47 एनजीएडी छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण की घोषणा कर दी है। अमेरिकी सरकार ने इसके लिए 20 अरब डॉलर का शुरुआती बजट लड़ाकू विमानों का निर्माण करने वाली कंपनी बोइंग को दिया है। इस बजट में इस

- ट्रायल फेज में पहुंच गया है एएमसीए का जेट प्रोग्राम, होगा ताकतवर

फाइटर जेट के लिए रिसर्च एंड डेवलपमेंट का काम होगा, जिसके तहत इंजन का निर्माण किया जाएगा, नये कम्युनिकेशन सिस्टम, रडार सिस्टम, एवियोनोमिक्स समेत कई तरह के डेवलपमेंट्स और किए जाएंगे। यानि अमेरिका दुनिया का पहला ऐसा देश बन सकता है, जिसके पास अपना छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान होगा। हालांकि चीन भी जे-36 छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के प्रोटोटाइप का खुलासा कर

चुका है। दावे किए गये हैं कि जे-36 एक छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान होगा। लेकिन दूसरी तरफ भारत में अभी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान का प्रोजेक्ट भी कम से कम 10 साल दूर है। लिहाजा भारत दुविधा में फंसा हुआ है। इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग यानि आईडीआरडब्ल्यू ने अपनी एक रिपोर्ट में भारतीय वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से कहा है कि भारत की भी योजना छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण की है। अधिकारी ने नाम नहीं बताने की शर्त पर खुलासा किया है कि छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण की योजना भारत के रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है। हालांकि एयरफोर्स के अधिकारी ने ये भी बताया कि इस तरह के एडवांस विमान बनाने की किसी भी योजना के लिए नए सिरे से डिजाइन की आवश्यकता होगी और फिलहाल भारत की क्षमताओं के हिसाब से एक बहुत बड़ी छलांग होगी।

आपको बता दें कि भारत फिलहाल एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है, जिसके तहत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाए जा रहे हैं। इसका डेवलपमेंट एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी कर रहा है।

आईडीआरडब्ल्यू की रिपोर्ट में भारतीय वायुसेना के अधिकारी ने सुझाव दिया है कि एएमसीए प्रोजेक्ट के तहत भारत का लक्ष्य साल 2028 तक पहले विमान का फ्लाइट टेस्ट करना है। और ये वक्त इंडियन एयरफोर्स और एएमसीए के लिए छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण के लिए कंसेप्ट बनाने के लिए बिल्कुल सही समय होगा। अधिकारी ने बताया है कि एक बार एएमसीए उड़ान भरना शुरू कर दे तो फिर इंडियन एयरफोर्स और आईडीआरडब्ल्यू छठी पीढ़ी के लड़ाकू जेट के डेवलपमेंट पर विचार-विमर्श शुरू कर सकता है। अधिकारी का मानना है कि पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण के बाद भारत के पास जो एक्सप्रिएंस होगा, वो अमूल्य होगा और ये ज्ञान छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों के निर्माण में काफी काम आएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतंत्र को सशक्त बनाने के प्रयास और संवैधानिक मूल्य

(लेखक- राम पुनियानी)

पिछले दस सालों से सत्ता पर काबिज समूह के बढ़ते हुए तानाशाहीपूर्ण रवैये के चलते ही तमाम विरोधाभासों के बावजूद अधिकांश विपक्षी दलों के एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाया। इस गठबंधन के गठन, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा व भारत जोड़ो न्याय यात्रा व सामाजिक समूहों द्वारा गठित मंचों जैसे इदिलू कर्नाटका और भारत जोड़ो अभियान का मिलाजुला प्रभाव लोकसभा चुनावों पर पड़ा और भाजपा का 400 सीटें जीतने का लक्ष्य मिट्टी में मिल गया।

वी-डेम इंस्टिट्यूट की भारत के संबंध में रपट, जो द हिंदू में प्रकाशित की गई है, में कहा गया है कि यह रेखांकित करते हुए कि लोकतंत्र के लगभग सभी घटकों की स्थिति जितने देशों में सुधर रही है, उससे अधिक देशों में बिगड़ रही है, रपट में विशेष तौर पर यह जिक्र किया गया है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, निष्पक्ष चुनाव और संगठित होने व नागरिक समाज की आजादी पर निरंकुशता की ओर बढ़ते देशों में सबसे गंभीर दुष्प्रभाव पड़ा है।

रपट में भारत के मैदानी हालात का काफी सटीक सार प्रस्तुत किया गया है। इसके अलावा, भारत में अल्पसंख्यकों के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया जा रहा है। हाल के समय में आरएसएस-बीजेपी मिलकर हिंदू उत्सवों और समागमों का इस्तेमाल अल्पसंख्यकों को आतंकित करने के एक और औजार के रूप में करने लगे हैं। यह रामनवमी के समारोहों, होली और कुंभ मेले के दौरान व्यापक तौर पर देखा गया।

पिछले दस सालों से सत्ता पर काबिज समूह के बढ़ते हुए तानाशाहीपूर्ण रवैये के चलते ही तमाम विरोधाभासों के बावजूद अधिकांश विपक्षी दलों के एकजुट होकर इंडिया गठबंधन बनाया। इस गठबंधन के गठन, राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा व भारत जोड़ो न्याय यात्रा व सामाजिक समूहों द्वारा गठित मंचों जैसे इदिलू कर्नाटका और भारत जोड़ो अभियान का मिलाजुला प्रभाव लोकसभा चुनावों पर पड़ा और भाजपा का 400 सीटें जीतने का लक्ष्य मिट्टी में मिल गया।

यह सच है कि इंडिया गठबंधन वांछित दिशा में नहीं बढ़ा और विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का इरादा पूरा न हो सका। यह इंडिया गठबंधन को महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में सफलता हासिल न हो पाने की एक वजह थी। इसकी दूसरी वजह थी संघ परिवार के सभी सदस्यों द्वारा भाजपा के पक्ष में पूरी ताकत लगा देना। यह कोई नई बात नहीं है लेकिन यह उल्लेखनीय है कि लोकसभा चुनावों के दौरान जे। पी। नड्डा ने बयान दिया था कि भाजपा को आरएसएस की मदद की जरूरत नहीं है क्योंकि अब वह इतनी सशक्त हो गई है कि सिर्फ अपने दम पर चुनाव जीत सके।

ऐसा लगता है कि लोकसभा चुनावों के बाद इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण जरूरत के प्रति उसके कई घटक दलों का रवैया उपेक्षापूर्ण रहा और कई ने इसके प्रति उदासीनता दर्शाई और सबसे बड़े विपक्षी दल, कांग्रेस ने भी इस संबंध में कोई बड़ी पहल नहीं की। यहां यह उल्लेखनीय है कि विचारधारा की दृष्टि से इस गठबंधन का सशक्त घटक सीपीआई (एम) इस मामले पर पुनर्विचार कर रहा है। उसके कार्यवाहक महासचिव प्रकाश करात ने कहा है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए बनाया गया था राज्यों के चुनावों के लिए नहीं।।।और उन्होंने धर्मनिरपेक्ष विपक्षी दलों का एक वृहद गठबंधन बनाए जाने का आव्हान किया।

उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधनों को एक वृहद परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए ताकि चुनावी राजनीति उनका गला न घोंट दे। यही बात दूसरे शब्दों में वामपंथी झुकाव वाले बुद्धिजीवी कह रहे हैं जिनका मानना है कि भाजपा दरअसल, एक पूरी तरह फासीवादी पार्टी नहीं है। जैसे प्रभात पटनायक तर्क देते हैं कि जहां नवउदारवादी पूंजीवाद एक 'फासीवादी हालात' उत्पन्न करता है जो दक्षिणपंथी अधिनायकवादी आंदोलनों, विदेशियों के प्रति द्वेष, अति राष्ट्रवाद और लोकतांत्रिक मूल्यों के क्षय के रूप में प्रकट होती है - किंतु यह अनिवार्यतः 1930 के दशक के पूरी तरह से 'फासीवादी राष्ट्र' का पुनर्सृजन नहीं करती।''

हिन्दुत्वादी राष्ट्रवाद के लिए नव फासीवाद, आद्य फासीवाद, कट्टरवाद आदि कई शब्दों का इस्तेमाल किया गया है परंतु रेखांकित करने वाली बात यह है कि कोई भी राजनैतिक परिघटना स्वयं को उसी तरीके से नहीं दुहराती। आज हिन्दुत्वादी राष्ट्रवाद के कई लक्षण फासीवाद से मिलते-जुलते हैं। फासीवाद ही आरएसएस के संस्थापकों, विशेषकर एम। एस। गोलवलकर का प्रेरणास्त्रोत था। उन्होंने अपनी पुस्तक ''वी ऑर अवर नेशनहुड डिफाइंड'' में कहा अपनी संस्कृति और नस्ल की शुद्धता कायम रखने के लिए जर्मनी ने सेमेटिक नस्लों - यहूदियों - का देश से सफाया कर दुनिया को आश्चर्यचकित कर दिया। यह नस्लीय अभिमान की उच्चतम अभिव्यक्ति है। जर्मनी ने यह भी दिखा दिया है कि मूलभूत अंतर वाली विभिन्न संस्कृतियों और नस्लों का मिलकर एक हो जाना लगभग असंभव होता है। यह हिन्दुस्तान में हमारे लिए एक अच्छा सबक है जिससे हम कुछ सीख सकते हैं और लाभान्वित हो सकते हैं।

हम भारत में फासीवाद के लक्षणों को उभरता देख रहे हैं जैसे स्वर्णिम अतीत, अखंड भारत की अभिलाषा, अल्पसंख्यकों को देश का शत्रु करार देकर निशाना बनाना, अधिनायकवाद, बड़े उद्योग-धंधों को बढ़ावा देना, अभिव्यक्ति की आजादी पर प्रहार और सामाजिक चिंतन पर हावी होना आदि। हम यहां अभिव्यक्ति की आजादी के प्रति असहनशीलता का नजारा देख रहे हैं, जैसा कि महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी के मामले में हाल में हुआ। उन्होंने कहा था ''आरएसएस एक जहर है। वे इस देश की अंतरात्मा को नष्ट करने का प्रयास कर रहे हैं। हमें इससे भयभीत होना चाहिए क्योंकि यदि अंतरात्मा नष्ट हो जाती है, तो सब कुछ छिन जाता है। तुषार गांधी से माफी मांगने और अपने शब्द वापस लेने की मांग की गई। उन्होंने दोनों में से कुछ भी नहीं किया और अब उन्हें हत्या की धमकियां दी जा रही हैं।

आरएसएस ने अपनी जबरदस्त पहुंच, सैकड़ों अनुषांगिक संगठनों, हजारों प्रचारकों और लाखों कार्यकर्ताओं के माध्यम से आजादी के आंदोलन से जन्मे भारत के विचार के लिए खतरा पैदा कर दिया है, आजादी के आंदोलन के मूल्य हमारे संविधान में अभिव्यक्त हुए, जो सभी नागरिकों को समान अधिकार देने पर आधारित हैं और इसके केन्द्र में है समावेशिता। आरएसएस की विचारधारा आजादी के आंदोलन और भारतीय संविधान के मूल्यों के विपरीत है। और वह अपने विशाल नेटवर्क के माध्यम से उसे आगे बढ़ा रहा है।

प्रारंभ में उसने इतिहास को तोड़-मरोड़कर मुसलमानों के प्रति नफरत पैदा की, जैसा इस समय महाराष्ट्र में हो रहा है जहां औरंगजेब की कब्र को हटाया जाना सत्ताधारी भाजपा की पहली प्राथमिकता बन गया है। इस समय उसके इशारे पर स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेता महात्मा गांधी भी हैं, जिनके बारे में यह प्रोपेगेंडा फैलाया जा रहा है कि हमें आजादी दिलवाने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। यहां तक कि उसके कई सोशल मीडिया पोस्टों पर यह तक दावा किया जा रहा है कि गांधीजी ने स्वतंत्रता आंदोलन में रोड़े अटकाने का काम किया।

यह सूची बहुत लंबी है। आज क्या किए जाने की जरूरत है? करात का यह कहना सही है कि एक वृहद धर्मनिरपेक्ष गठबंधन बनाए जाने की जरूरत है। इंडिया गठबंधन निश्चित रूप से इस यात्रा का पहला कदम था। जरूरत इस बात की है कि इस गठबंधन को और सशक्त बनाया जाए। गठबंधन के आंतरिक मतभेदों, टकरावों और विवादों को सुलझाया जाए। गठबंधन के सदस्य दलों के बीच कुछ विरोधाभासों के बावजूद 10 लाख से अधिक सदस्यों वाली करात की पार्टी इस गठबंधन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है। एक बड़े लक्ष्य को हासिल करने के लिए घटक दलों को छोटी-छोटी कुर्बानियां देनी ही होंगीं।

इस प्रक्रिया को और बल प्रदान करने के लिए सामाजिक संगठनों को वह प्रभावी काम जारी रखना होगा जो उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद किया था। एक राष्ट्रीय धर्मनिरपेक्ष गठबंधन भी इन्हें शुरू कर सकता है। वर्तमान सत्ताधारियों का ठीक-ठीक चरित्र फासीवादी हो या उसमें फासीवाद के कुछ तत्व हों या जो भी हो, इंडिया की रणनीति एक व्यापक गठबंधन बनाने की होनी चाहिए जो उस ऊर्जा और गतिशीलता से भरा हुआ हो, जो 2024 के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले नजर आई थी।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

संपादकीय

राज्यों में हीटवेव

कभी जिस मार्च के महीने को ठंड-गर्म के मिलेजुले सुहावने मौसम के रूप में याद किया जाता रहा है, उस दौरान यदि कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की जा रही है तो यह हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। निर्विवाद रूप से यह दीवार पर लिखी इबारत है कि ग्लोबल वार्मिंग का गहरा असर हमारे जन-जीवन पर गहरे तक पड़ रहा है। मौसम के मिजाज में अभूतपूर्व बदलाव देखिए कि जहां हाल ही में कश्मीर, हिमाचल व उत्तराखंड के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी व कुछ राज्यों में बारिश हुई है, वहीं मौसम विभाग ने देश के पांच राज्यों में गर्म हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया है। एक ओर जहां झारखंड व ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है तो पश्चिम बंगाल, ओडिशा और महाराष्ट्र में विदर्भ के इलाकों में गर्म हवा चलने की चेतावनी दी गई है। बीते रविवार को ओडिशा के एक शहर का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं झारखंड में कुछ जगह पारा चालीस पार कर गया। पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में लू चलने की खबरें हैं। मौसम विज्ञानी हैरत में हैं कि जैसी गर्मी पिछले साल अप्रैल के महीने में महसूस की गई थी, वैसी गर्मी मार्च के मध्य में क्यों महसूस की जा रही है। मौसम विभाग इसकी वजह देश के ऊपर बना उच्च दबाव मानता है। वहीं साफ मौसम की वजह से सूरज की सीधी किरणें तेज पड़ रही हैं। चेतावनी दी जा रही है कि आगामी कुछ दिनों में देश के अधिकांश हिस्से तेज गर्मी की चपेट में आ सकते हैं। ऐसे में हमारी सरकारों को ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों के मद्देनजर बचाव के उपायों को तेज करने की जरूरत है। साथ ही नागरिकों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि लोगों का रहन-सहन, खान-पान और सार्वजनिक स्थलों पर व्यवहार कैसे रहें, ताकि लू की मार से बचा जा सके। गर्मी के दुष्प्रभाव पीड़ित लोगों के उपचार के लिये अस्पतालों में आपातकालीन वार्ड बनाए जाने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम के तेवरों में तल्खी के चलते हमारी खाद्य श्रृंखला भी खतरे में पड़ती दिखाई दे रही है। इन तीव्र बदलावों के चलते जहां खाद्यान्नों की पैदावार में गिरावट आ रही है, वहीं किसान बाढ़ व सूखे से भी बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। भारत में ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों पर शोध करने वाली एक संस्था का कहना है कि क्षेत्रीय आधार पर चरम मौसम की मार अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग प्रभाव डाल रही है। अब तक देश के जो इलाके बाढ़ के प्रभाव के लिये जाने जाते थे, वहां अब सूखे का असर दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर सूखाग्रस्त माने जाने वाले इलाकों में बाढ़ का प्रकोप बढ़ रहा है। ऐसे जिलों की संख्या सैकड़ों में बतायी जा रही है, जिसका सीधा असर फसल की पैदावार पर पड़ रहा है। यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। वहीं दूसरी ओर समुद्री जल का तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी।

टीबी के खिलाफ तेज करनी होगी जंग

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

(24 मार्च विश्व टीबी दिवस पर विशेष)

भारत काफी लंबे समय से टीबी नामक बिमारी से जंग लड़ रहा है। लेकिन अब टीबी को लेकर एक डरावनी स्टडी सामने आई है। जर्नल प्लस मेडिसीन की स्टडी के मुताबिक भारत में अनुमान है कि 2021 से 2040 तक टीबी के 6 करोड़ केस और 80 लाख मौतें हो सकती है। स्टडी के मुताबिक भारत को इस बिमारी के चलते न सिर्फ जान का नुकसान होगा बल्कि सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को 146 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की संभावना है। लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके के रिसर्चर ने कहा कि इसके चलते कम आय वाले मिडिल क्लास परिवार ज्यादा संकट में है। उनको स्वास्थ्य संबंधी बोझ झेलना पड़ सकता है। जबकि अमीर परिवारों को आर्थिक बोझ झेलना पड़ सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने वैश्विक क्षय रोग (टीबी) रिपोर्ट 2024 जारी किया है। जिसमें 2024 में दुनिया की 99 प्रतिशत से अधिक आबादी और टीबी के मामलों वाले 193 देशों के डाटा की रिपोर्ट को शामिल किया गया है। यह रिपोर्ट वैश्विक, क्षेत्रीय और देश स्तर पर टीबी महामारी एवं रोग की रोकथाम, निदान और उपचार में प्रगति का व्यापक व अद्यतन मूल्यांकन प्रदान करती है। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष के अनुसार 2023 में भारत में लगभग 25.2 लाख टीबी के मामले सामने आये थे। जो 2022 में 24.2 लाख मामलों से अधिक थे। भारत और इंडोनेशिया में वर्ष 2021 से 2023 तक टीबी के वैश्विक मामलों में कुल वृद्धि 45 प्रतिशत थी। दुनिया के पांच देश भारत, इंडोनेशिया चीन, फिलीपींस, पाकिस्तान में टीबी के कुल वैश्विक मरीजो के 56 प्रतिशत थे।

भारत में वर्ष 2015 से 2023 के मध्य टीबी के मामलों में 18 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वर्ष 2025 तक 50 प्रतिशत कमी के लक्ष्य से बहुत कम है। इसी प्रकार टीबी से संबंधित मौतों में 75 प्रतिशत के लक्ष्य के मुकाबले केवल 24 प्रतिशत की कमी आई है। वैश्विक स्तर पर 2023 में 82 लाख लोगों में टीबी के नए मामलें देखे गए। यह वर्ष 1995 में डब्ल्यूएचओ द्वारा निगरानी शुरू करने के बाद से सबसे अधिक संख्या है। 2023 में टीबी कोविड-19 को पीछे छोड़ते हुए पुनः प्रमुख संक्रामक रोग बन गया है।

टीबी एक संक्रामक बीमारी है। जो संक्रमित लोगों के खांसने, छींकने या थूकने से फैलती है। यह आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है। लेकिन यह शरीर के किसी भी हिस्से में फैल सकती है। इस बीमारी का इलाज तो है बशर्ते लोग नियमित रूप से दवा लें। हर वर्ष 24 मार्च को पूरे विश्व में टीबी (विश्व क्षय रोग) दिवस मनाया जाता है। इस दिन टीबी यानि तपेदिक रोग के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। भारत में बहुत बड़ी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन गुजार रही है। देश में जब तक गरीबी दूर नहीं होगी तब तक टीबी पर पूर्णतया रोक नहीं लग पायेगी।

एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत में स्वास्थ्य सेवा का बड़ा ढांचा कमजोर है और स्वास्थ्य कर्मचारियों की भारी कमी है। इसके अलावा बीमारी का शुरुआती दौर में पता लगने में दिक्कत और सही इलाज का मिलना चुनौती बनी हुई है। विश्व में भारत पर टीबी का बोझ सबसे अधिक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में टीबी उन्मूलन को प्राथमिकता के तौर पर लिया गया है। इसका उद्देश्य टीबी के नए मामलों में 95 प्रतिशत की कमी करना और टीबी से मृत्यु में 95 प्रतिशत की कमी लाना है। देश में जिन टीबी रोगियों का इलाज चल रहा है उन्हें सरकार द्वारा 500 रुपए प्रतिमाह नगद सहायता के रूप में दिए जा रहें हैं। टी.बी माइक्रोबैक्टीरियम नामक बैक्टीरिया की वजह से होता है। यह बैक्टीरिया फेफड़ों में उत्पन्न होकर उसमें घाव कर देते हैं। यह कीटाणु फेफड़ों, त्वचा, जोड़ों, मेरूदण्ड, कण्ठ, हड्डियों, अंतड़ियों आदि पर हमला कर सकते हैं। दुनिया में छह-सात करोड़ लोग इस बीमारी से ग्रस्त हैं और हर वर्ष 25 से 30 लाख लोगों की इससे मौत हो जाती है। दुनिया में बीमरियों से मौत के 10 शीर्ष कारणों में टीबी को प्रमुख बताया गया है। एक अनुमान के मुताबिक भारत में रोजाना करीब आठ सौ लोगों की मौत टीबी की वजह से हो जाती है। भारत में टीबी के करीब 10 प्रतिशत मामले बच्चों में हैं। लेकिन इसमें से केवल छह प्रतिशत मामले ही सामने आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि भारत में टीबी के केवल 58 प्रतिशत मामले ही दर्ज होते हैं। एक तिहाई से ज्यादा मामले या तो दर्ज ही नहीं होते हैं या उनका इलाज नहीं हो पाता है। इसका बड़ा कारण यह है कि गैर सरकारी सेक्टर के अस्पतालों में टीबी को दर्ज किए जाने का अब तक कोई सिस्टम नहीं बना पाना है। संगठन का ऐसा अनुमान है कि ऐसे तकरीबन दस लाख और टीबी मरीज देश में है जिन्हें पहचाना ही नहीं जा सका है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत टीबी से निपटने को लेकर गंभीर नहीं है। अपनी ग्लोबल टीबी रिपोर्ट में उसने हमारे आंकड़ों पर भी सवाल उठाया है। उसके मुताबिक भारत ने टीबी के जितने मामले बताए हैं। वास्तव में मरीज उससे कहीं ज्यादा हैं। भारत के गलत आंकड़ों की वजह से इस रोग का विश्वस्तरीय आकलन सही ढंग से नहीं हो पाया है। पिछले कुछ समय से टीबी के कई नए रूप सामने आ गए हैं। कई मानसिक बीमारियां टीबी का बड़ा कारण बनकर उभरी हैं। इस बीमारी को लेकर हमे नजरिया बदलने की जरूरत है। सरकार को परम्परागत तौर-तरीके से बाहर निकलना होगा। टीबी से निपटने के लिए सरकार को निजी क्षेत्र के साथ मिलकर व्यापक योजना बनानी होगी।

टीबी का संबंध पोषण से जुड़ा रहता है। भूखे पेट रोगों से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है। इसलिए टीबी की बीमारी के शिकार गरीब तबके के लोग ज्यादा होते हैं। पोषण से मतलब संतुलित भोजन से माना जाना चाहिए। इसलिए यहां पर केवल टीबी का इलाज मुहैया करा भर देने से टीबी का खात्मा संभव नहीं है। यह तब मुमकिन होगा जबकि देश में लोगों को रोग प्रतिरोधक ताकत बनाए रखने के लिए संतुलित आहार भी मिले।

कुछ वर्षों पूर्व तक टीबी की बीमारी को लाईलाज रोग माना जाता था। टीबी के मरीजो को घर से अलग रखा जाता था व उससे अछूत जैसा व्यवहार किया जाता था। मगर अब टीबी की बीमारी का देश में पर्याप्त उपचार व दवा उपलब्ध है। टीबी के रोगियों द्वारा नियमित दवा के सेवन से नो माह में ही टीबी का रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है। सरकार को टीबी रोग की प्रभावी रोकथाम के लिये बजट में स्वास्थ्य सुविधओं के विस्तार के लिये और अधिक राशि का प्रावधान करना होगा। टीबी के प्रति लोगों को सचेत करने के लिये देश भर में टीबी जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे।

(चिंतन-मनन)

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर।

बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है। अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है।

हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है।

ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

विचार मंथन

जज के घर में लगी आग की लपटों से न्यायपालिका झुलसी

(लेखक- सनत जैन)

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर में तब आग लगी, जब वह छुट्टी लेकर होली मनाने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल गए थे। दिल्ली स्थित निवास में होली के दिन उनके घर के स्टोर रूम पर आग लगी। यह घटना कई दिनों तक सामने नहीं आई। कई दिन बाद आग की घटना एक राष्ट्रीय समाचार पत्र के प्रथम पृष्ठ में प्रकाशित हुई। तब जाकर हंगामा मचा। आग तो बुझ गई थी, लेकिन जज के घर की लगी आग की ठंडी राख में दबी चिंगारी से ऐसी लपटें उठीं, जिसकी चपेट में आकर पूरी न्यायपालिका ही धू-धू करके जलने लगी। जस्टिस यशवंत वर्मा का कहना है कि उनके खिलाफ साजिश रची गई है। जिस जगह आग लगी थी वह एक स्टोर रूम है। जो उनके निवास स्थान से काफी दूर है। इस स्टोर रूम के पास आउट हाउस बने हुए हैं। स्टोर में कबाड़ जैसा सामान रखा रहता था। वहां पर रोजाना बंगले में काम करने वाले लोग आते-जाते थे। जब वह लौट कर आए थे, तब वहां पर नोटों से संबंधित कोई निशान नहीं थे। ना ही उस समय उन्हें नोटों से संबंधित कोई बात बताई गई थी। जस्टिस यशवंत वर्मा इसे एक साजिश बता रहे हैं। मीडिया में जिस तरह से इस मामले का खुलासा हुआ है, न्यायमूर्ति वर्मा के गड़े मुर्दे जिस तरह से उखाड़कर मीडिया सामने लेकर आ रही है। जिस तरह से इस मामले को गोपनीय बनाकर रखा गया था। कई दिनों बाद फायर ब्रिगेड के अलग-अलग बयान आ रहे हैं। दिल्ली पुलिस ने मौन साध रखा है। सरकार ने भी पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है। जस्टिस वर्मा के घर 15 करोड़ से लेकर 50 करोड रुपए तक की नगदी होने की बात मीडिया में प्रकाशित हो रही है। किसने नोट गिने, किसने नोट जप्त किये, दिल्ली पुलिस ने कब किसको सूचना दी। दिल्ली हाईकोर्ट ने कब सुप्रीम कोर्ट को सूचना दी। सुप्रीम कोर्ट को कब सूचना मिली। कब सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेजियम की बैठक बुलाई। इन सभी मामलों में जिस तरह की चुप्पी सभी पक्षों ने साध रखी है। उससे न्यायपालिका की साख सड़कों पर तार-तार हो रही है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह का दबाव न्यायाधीशों की नियुक्ति, ट्रांसफर-पोस्टिंग से लेकर कॉलेजियम बनाए जाने को लेकर रहा है। कॉलेजियम और सरकार के बीच में जिस तरह की तनातनी समय-समय पर देखने को मिली है। वर्तमान में सरकार का न्यायपालिका के ऊपर जिस तरह का दबाव है, वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण सुप्रीम कोर्ट और अन्य न्यायपालिका के जजों के ऊपर किस तरह से सरकार का दबाव है। इसको लेकर समय-समय पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर देखने को मिला है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई और पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के कार्यकाल में जिस तरह के फैसले बाबरी मस्जिद, पेगासस, चुनाव आयोग, दिल्ली सरकार, बोफोर्स हिंडनबर्ग और अन्य मामलों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के सामने आए हैं। उसको लेकर न्यायपालिका के कामकाज की समय-समय पर आलोचना होती रही है। हाल ही में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के संबंध, इलाहाबाद हाईकोर्ट से लेकर दिल्ली लाने के बीच में जोड़े जा रहे हैं। जिस शुगर फैक्ट्री में यशवंत वर्मा डायरेक्टर थे। सीबीआई की जांच चल रही थी, उस जांच को चंद्रचूड़ के आदेश से बंद किया गया था। यह सारे तथ्य न्यायपालिका की साख को तार-तार कर रहे हैं। इस मामले की जांच के लिये सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने तीन सदस्यों की एक आंतरिक जांच कमेटी बनाई है। जिसमें पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल के न्यायाधीश जीएस संधावालिया तथा कर्नाटक हाईकोर्ट के जज अनु शिवरामन की कमेटी को जांच करने की जिम्मेदारी दी हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने एक जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। इस मामले में दिल्ली पुलिस एवं केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की भूमिका को लेकर भी, मीडिया जगत में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही हैं। मीडिया में जस्टिस लोया की मौत भी चर्चाओं में गई है। यह कहा जा रहा है, कि सरकार न्यायपालिका के ताबूत में अंतिम कील ठोकना चाहती है। एक सुनियोजित साजिश के तहत जस्टिस वर्मा का मामला सामने लाया गया है। इस मामले के बाद सारे देश में भारतीय न्यायपालिका की विश्वसनीयता एक तरह से खत्म हो गई है। सरकार कॉलेजियम सिस्टम को खत्म कर न्यायाधीशों की नियुक्ति, ट्रांसफर, पोस्टिंग, पदोन्नति के सभी अधिकार अपने हाथ में लेना चाहती है, वर्तमान में न्यायपालिका बहुत कमजोर हो गई है। ऐसी स्थिति में सरकार जो चाहती है, वैसा करने में सक्षम हो गई है। चर्चाओं में यह भी कहा जा रहा है। दिल्ली पुलिस, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अधीन है। सारे मामले में दिल्ली पुलिस और केंद्रीय गृह मंत्रालय की चुप्पी अपने आप बहुत कुछ कह रही है। इसको लेकर देश भर में जो प्रतिक्रिया हो रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 1,794 करोड़ रुपए

पिछले सप्ताह में एफआईआई की निकासी 60.4 करोड़ डॉलर रही थी

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के बिकवाली दबाव में अब कमी देखी जा रही है। एफपीआई ने पिछले सप्ताह शुद्ध रूप से 1,794 करोड़ रुपये (19.4 करोड़ डॉलर) के शेयर बेचे हैं। हालांकि एफपीआई का रुख कुछ सकारात्मक होने के बावजूद यह उनकी बिकवाली का लगातार 15वां सप्ताह रहा। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि आगे चलकर एफपीआई का सतर्क रुख बरकरार रहेगा। वे अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर रुख, भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, आर्थिक परिदृश्य पर कुछ स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने 21 मार्च को समाप्त सप्ताह में 1,794 करोड़ रुपये (19.4 करोड़ डॉलर) के शेयर बेचे हैं। इसकी तुलना में छुट्टियों के कारण कम अवधि वाले पिछले सप्ताह में उनकी निकासी 60.4 करोड़ डॉलर रही थी। पिछले सप्ताह एफपीआई ने दो मौकों पर शुद्ध खरीदारी की। एक बाजार विश्लेषक ने कहा कि एफपीआई की बिकवाली में हालिया उलटफेर ने बाजार की धारणा को बेहतर बनाया है, जिससे 21 मार्च को समाप्त सप्ताह में बाजार में तेजी आई। हालांकि, एफपीआई के रुख में बदलाव के बावजूद मार्च में उनकी बिकवाली 31,719 करोड़ रुपये रही है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे।

बोइंग ने भारत में 180 कर्मचारियों को बाहर निकाला

नई दिल्ली । अमेरिका की विमान विनिर्माता कंपनी बोइंग ने बेंगलुरु में अपने इंजीनियरिंग प्रौद्योगिकी केंद्र के 180 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों का सामना कर रही बोइंग के भारत में करीब 7,000 कर्मचारी हैं। पिछले साल बोइंग ने वैश्विक स्तर पर करीब 10 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी। एक सूत्र ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कर्मचारियों की संख्या में कटौती के तहत बोइंग ने अपने बेंगलुरु के बोइंग इंडिया इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी सेंटर के 180 कर्मचारियों को 2024 की दिसंबर तिमाही में बाहर का रास्ता दिखाया है। इस बारे में बोइंग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्र ने कहा कि कंपनी का प्रयास है कि इस छंटनी से उसके ग्राहकों और सरकार के साथ परिचालन पर कोई असर नहीं पड़े। इसी के मद्देनजर कंपनी ने रणनीतिक समायोजन किया है जिससे सीमित संख्या में पद प्रभावित हुए हैं।

एलन मस्क के चैटबॉट ने भारत में सोशल मीडिया पर बवाल मचाया

नई दिल्ली । एलन मस्क के एआई चैटबॉट ग्रोक की वजह से भारत में सोशल मीडिया पर बवाल मच गया है। इसकी वजह बनी चैटबॉट की बोलचाल की भाषा, जिसमें उसने हिंदी स्लैंग (गाली जैसी भाषा) का इस्तेमाल कर दिया। मामला तब शुरू हुआ जब एक यूजर ने एक्स पर ग्रोक से 10 बेस्ट म्यूचुअल्स के बारे में पूछा। जब चैटबॉट ने तुरंत जवाब नहीं दिया तो यूजर ने गुस्से में भद्दे शब्दों का इस्तेमाल कर दिया। इसके जवाब में ग्रोक ने भी हिंदी स्लैंग में रिप्लाई कर दिया, जिससे मामला तूल पकड़ गया. चैटबॉट का यह जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और लोगों ने एआई के बिहेवियर पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। बहस इस बात पर होने लगी कि क्या एआई को यूजर की भाषा को हूबहू कॉपी करना चाहिए? इसी बीच भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने इस मामले में दखल दे दिया। मंत्रालय ने एक्स से ग्रोक को ट्रेन्ड करने वाले डेटा सेट्स की जानकारी मांगी है और चैटबॉट की भाषा पर जांच शुरू कर दी है।

अप्रैल से कारों के दाम बढ़ेंगे, कंपनियों ने की घोषणा

- बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों ने भी अपनी वाहनों की कीमतों में इजाफा करने की घोषणा की

नई दिल्ली ।

अप्रैल से देश में अधिकांश कंपनियों की कारों की कीमतों में इजाफा होने की संभावना है। उत्पादन लागत और परिचालन खर्च में वृद्धि के बीच, मारुति सुजुकी, महिंद्रा और महिंद्रा, हुंदै जैसी बड़ी कंपनियों ने द्वारा दाम बढ़ाने की घोषणा की है। देश की सबसे बड़ी यातायात कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने सभी मॉडलों की कीमत में चार प्रतिशत तक का वृद्धि करने की घोषणा की है। इसके अलावा, टाटा मोटर्स, महिंद्रा और महिंद्रा, किआ, होंडा, रेनो, बीएमडब्ल्यू जैसी कंपनियों ने भी अपनी वाहनों की कीमतों में इजाफा करने की घोषणा की है। कारों की कीमतों में इस बढ़ोतरी के पीछे कई कारण हैं, जैसे यूटिलिटी एवं वाणिज्यिक वाहनों की मांग में कमी और नए फीचर्स के जोड़ने से परिचालन लागत में वृद्धि। इसके साथ ही, मुद्रा में उतार-चढ़ाव से भी कारों के दाम पर असर पड़ रहा है। कार उत्पादन क्षेत्र के लीडरों का मानना है कि कीमत में इस तरह की बढ़ोतरी एक सामान्य प्रक्रिया है, जो यूटिलिटी एवं वाणिज्यिक वाहनों की मांग में कमी और अन्य कारणों के कारण संभावित है। वाहन क्षेत्र के जानकारों ने कहा कि भारत में कार विनिर्माता आमतौर पर दो बार कीमतों में बढ़ोतरी करते हैं। एक कैलेंडर वर्ष की शुरुआत में और दूसरा वित्त वर्ष की शुरुआत में। उन्होंने कहा कि बढ़ोतरी की सीमा अलग-अलग हो सकती है, यह मुद्रा में उतार-चढ़ाव से संबंधित हो सकता

है, जहां हमें समान उत्पाद, वस्तु या कलपुर्जा आयात करने के लिए अधिक खर्च करने की आवश्यकता होती है। पिछले छह महीनों में रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन प्रतिशत की गिरावट आई है, जिससे आयात पर अधिक निर्भर क्षेत्र प्रभावित हुए हैं। इसका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पादन की लागत पर असर पड़ता है।

एनपीसीआई ने लागू किए नए नियम

- यूपीआई उपयोग करने वाले 1 अप्रैल से पहले बैंक से मोबाइल नंबर अपडेट करें

नई दिल्ली ।

भारतीय नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने नए नियम लागू किए हैं, जिसके अनुसार अगर आप यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करते हैं, तो आपको अपना बैंक से लिंक्ड मोबाइल नंबर 1 अप्रैल से पहले अपडेट कर लेना होगा। यह कदम डिजिटल पेमेंट को सुरक्षित बनाने के लिए उठाया गया है। एनपीसीआई ने इस प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म और मोबाइल नंबर रिवोकेशन लिस्ट का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को अपने डेटाबेस को 31 मार्च तक अपडेट करने की निर्देश दी है। यदि आपका मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होगा, तो आपके यूपीआई ट्रांजैक्शन संभव नहीं होंगे। इसलिए, बैंक ग्राहकों से अनुरोध है कि वे जल्दी से जल्दी अपना मोबाइल नंबर अपडेट करा लें और यूनिफाइड पेमेंट्स सेवाओं का निरंतर लाभ उठा सकें। इससे न केवल आपकी सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि फर्जीवाड़े से भी बचाव होगा। इसलिए, आज ही अपना मोबाइल नंबर अपडेट करें और अपनी डिजिटल सुरक्षा बढ़ाएं।

पीएसबी का लाभांश भुगतान 33 प्रतिशत बढ़कर हुआ 27,830 करोड़ रुपए

- बैंकों की वित्तीय सेहत में सुधार का संकेत

नई दिल्ली । बीते वित्त वर्ष 2023-24 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का लाभांश भुगतान 33 प्रतिशत बढ़कर 27,830 करोड़ रुपये रहा है। यह इन बैंकों की वित्तीय सेहत में सुधार का संकेत है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पीएसबी ने 2023-24 में शेयरधारकों को 27,830 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में यह आंकड़ा 20,964 करोड़ रुपये रहा है। इस तरह पीएसबी के लाभांश भुगतान में 32.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल 27,830 करोड़ रुपये के लाभांश में से लगभग 18,013 करोड़ रुपये का भुगतान सरकार को उसकी शेयरधारिता के लिए किया गया। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, सरकार को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से लाभांश के रूप में 13,804 करोड़ रुपये मिले थे। गौरतलब है कि सार्वजनिक क्षेत्र के 12 बैंकों ने 2022-23 में 1.05 लाख करोड़ रुपये के शुद्ध लाभ के मुकाबले 2023-24 में 1.41 लाख करोड़ रुपये का अब तक का सबसे अधिक कुल शुद्ध लाभ दर्ज किया है। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ माह में उनका शुद्ध लाभ 1.29 लाख करोड़ रुपये रहा है। शेयर बाजारों के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पीएसबी के 1,41,203 करोड़ रुपये के कुल लाभ में से एसबीआई का अकेले 40 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा रहा। एसबीआई ने 61,077 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष (50,232 करोड़ रुपये) की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है।

सेंसेक्स की प्रमुख नौ कंपनियों का मार्केट कैप 3.06 लाख करोड़ बढ़ा

- सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल को हुआ

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3,06,243.74 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 64,426.27 करोड़ रुपये बढ़कर 9,47,628.46 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सप्ताह के दौरान सबसे ज्यादा लाभ आईसीआईसीआई बैंक को ही हुआ। भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 53,286.17 करोड़ रुपये बढ़कर 9,84,354.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 49,105.12 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 13,54,275.11 करोड़ रुपये पर पहुंच गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का बाजार मूल्यांकन 39,311.54 करोड़ रुपये बढ़कर 17,27,339.74 करोड़ रुपये पर और बजाज फाइनेंस का 30,953.71 करोड़ रुपये बढ़कर 5,52,846.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 24,259.28 करोड़ रुपये बढ़कर 12,95,058.25 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 22,534.67 करोड़ रुपये बढ़कर 6,72,023.89 करोड़ रुपये रही। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 16,823.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,28,058.89 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस ने सप्ताह के दौरान 5,543.9 करोड़

रुपये जोड़े, जिससे उसका बाजार मूल्यांकन 6,61,364.38 करोड़ रुपये हो गया।

इस रुख के विपरीत आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 7,570.64 करोड़ रुपये घटकर 5,07,796.04 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एयर इंडिया का लंबी दूरी की उड़ानों के लिए 'लैंडिंग' शुल्क में कमी का सुझाव

- अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों को उतारने (लैंडिंग) के शुल्क में प्रोत्साहन की मांग

नई दिल्ली । एयर इंडिया ने दिल्ली हवाई अड्डे पर अंतरराष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय लंबी दूरी तथा अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों को उतारने (लैंडिंग) के शुल्क में प्रोत्साहन की मांग की है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन कंपनी ने हवाई अड्डा आर्थिक नियामक प्राधिकरण (एईआरए) को 2024-29 नियंत्रण अवधि के लिए दिल्ली हवाई अड्डे पर शुल्क प्रस्तावों को लेकर सुझाव दिए हैं। एयरलाइन बढ़ती हवाई यातायात की मांग को पूरा करने के लिए धीरे-धीरे अपने बड़े आकार के विमानों के परिचालन के साथ नेटवर्क का विस्तार कर रही है। एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बाजार की आर्थिक संरचना भारत को विमानन केंद्र बनाने के प्रयासों का समर्थन करनी चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की परिचालनक डायल ने इकनॉमी और बिजनेस श्रेणी के यात्रियों के साथ-साथ व्यस्त और गैर-व्यस्त घंटों के लिए अलग-अलग उपयोगकर्ता शुल्क का प्रस्ताव दिया है। एयर इंडिया के अनुसार परिवर्तनीय शुल्क प्रस्ताव में दिल्ली हवाई अड्डे पर आई2आई (अंतरराष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय) यातायात बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन शामिल होना चाहिए, जिसे नियामक द्वारा पेश किया जा सकता है। अन्य सुझावों में एयर इंडिया ने कहा है कि एईआरए को लंबी दूरी और अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों के लिए लैंडिंग शुल्क में प्रति मीट्रिक टन के आधार पर कम-से-कम 30 प्रतिशत की कटौती करनी चाहिए। आमतौर पर, लंबी दूरी की उड़ानों की अवधि नौ घंटे से अधिक होती है, जबकि अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानें 16 घंटे या उससे अधिक अवधि की होती हैं। एयर इंडिया उत्तरी अमेरिका के लिए अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानों का परिचालन करती है। एयर इंडिया में शासन, नियमन और अनुपालन (जीआरसी) तथा कॉरपोरेट मामलों के समूह प्रमुख पी बालाजी के हस्ताक्षर वाले इन सुझावों में कहा गया है कि एईआरए को घरेलू उड़ानों में बड़े आकार के विमानों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए लैंडिंग शुल्क में छूट और यूडीएफ शुल्क में 20 प्रतिशत की कमी करने पर विचार करना चाहिए।

कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने रिलायंस इंडस्ट्रीज ने दुबई की कंपनी से मिलाया हाथ

मुंबई । देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने पेट्रोकेमिकल्स इंडस्ट्री के लिए एक इनोवेटिव लॉजिस्टिक सॉल्यूशन पेश करने के लिए दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के साथ हाथ मिलाया है। इस पार्टनरशिप के तहत मालढुलाई को सड़क से रेल की ओर स्थानांतरित कर कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की तैचारी है। लॉजिस्टिक ऑपरेटर डीपी वर्ल्ड ने कहा कि नया समाधान रिलायंस इंडस्ट्रीज के जामनगर संयंत्र को अहमदाबाद में डीपी वर्ल्ड के अंतर्देशीय कंटेनर डिपो (आईसीडी) और फिर मुंद्रा बंदरगाह से जोड़ेगा। इसके पहले मुंद्रा-जामनगर-मुंद्रा के बीच आवाजाही के दौरान प्रत्येक कंटेनर को करीब 700 किलोमीटर का सड़क परिवहन करना होता था। कंपनी की ओर से बताया गया कि नए समाधान के साथ, करीब 700 किलोमीटर लंबे अहमदाबाद-जामनगर-मुंद्रा मार्ग को रेल मार्ग में बदल दिया गया है। यह इंटिग्रेटेड रेल सेवा 1,260 टन तक माल का परिवहन कर सकती है और एक बार में 45 कंटेनरों को जोड़ती है। इससे कई ट्रेलरों और वाहन चालकों की जरूरत कम होती है। डीपी वर्ल्ड मरीन सर्विसेज के वैश्विक मुख्य परिचालन अधिकारी गणेश राज ने कहा कि यह इनोवेटिव इनिशिएटिव न केवल रिलायंस की टिकाऊ प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है बल्कि उनकी बढ़ती परिचालन मांगों को भी पूरा करती है।

जनवरी-मार्च में नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री घटकर 1.06 लाख इकाई रहने का अनुमान

- दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में इस तिमाही में बिक्री में देखी जा सकती है तेजी

नई दिल्ली ।

चालू वित्तीय वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में देश के नौ प्रमुख शहरों में घरों की बिक्री 23 प्रतिशत घटकर 1.06 लाख इकाई रहने का अनुमान है। एक रियल एस्टेट डेटा विश्लेषण कंपनी की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में घरों की बिक्री पिछले साल की इसी अवधि के 1,36,702 इकाई से घटकर 1,05,791 इकाई रहने का अनुमान है। नौ प्रमुख शहरों में केवल दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में इस तिमाही में बिक्री में तेजी देखी जा सकती है। एक रियल स्टेट कंपनी के अधिकारी सीईओ ने कहा कि आवास बाजार में तीन साल की रिकॉर्ड आपूर्ति के बाद कुछ 'करेक्शन' देखने को मिल रहा है, जिसके कारण बिक्री में भी गिरावट का रुख है। चालू तिमाही में आवासीय संपत्तियों की नई आपूर्ति 34 प्रतिशत घटकर 80,774 इकाई रहने का अनुमान है, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 1,22,365 इकाई थी। घरों की कीमतों में वृद्धि और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में कुछ कमजोरी के कारण निवेशक सतर्कता बरत रहे हैं जिससे बिक्री में गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार जनवरी-मार्च, 2025 में बेंगलुरु में घरों की बिक्री 10 प्रतिशत बढ़कर 18,508 इकाई रहने की संभावना है, जो एक साल पहले समान तिमाही में 16,768 इकाई थी। दिल्ली एनसीआर में भी बिक्री में 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 10,235 इकाई से 11,221 इकाई होने की उम्मीद है। हालांकि, चेन्नई में आवासीय संपत्तियों की बिक्री 4,962 इकाई से दो प्रतिशत घटकर 4,858 इकाई रहने का अनुमान है। हैदराबाद में बिक्री में 47 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

हैदराबाद में बिक्री 20,835 इकाई से घटकर 11,114 इकाई रहने का अनुमान है। इसी तरह कोलकाता में भी घरों की बिक्री 5,882 इकाई की तुलना में 28 प्रतिशत घटकर 4,219 इकाई रहने का अनुमान है।

इंडसइंड बैंक में अक्टूबर तक हो सकती है नए सीईओ की नियुक्तिः रिपोर्ट

- नए सीईओ का चयन करने की प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली ।

इंडसइंड बैंक के मौजूदा सीईओ सुमंत काठपलिया का कार्यकाल समाप्त होने वाला है और नए सीईओ का चयन करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बैंक बोर्ड ने अक्टूबर तक नए सीईओ का चयन करने का निर्णय लिया है, जिसमें संभावित नामों का समावेश हो सकता है। इसी बीच, इंडसइंड बैंक ने अपनी डेरिवेटिव पोर्टफोलियो में पाई गई विसंगतियों की जांच के लिए एक स्वतंत्र पेशेवर फर्म को नियुक्त किया है। इस जांच में डेरिवेटिव अनुबंधों के लेखा उपचार की सटीकता और उनके वित्तीय प्रभाव का मूल्यांकन किया जाएगा। इस मामले में भारतीय रिजर्व बैंक को भी सक्रिय रूप से शामिल किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक आरबीआई इस मामले में पूरी जिम्मेदारी का आकलन करेगा और उचित कदम उठाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार, इन विसंगतियों का प्रभाव बैंक के शुद्ध मूल्य पर 2.35 फीसदी तक हो सकता है, जिससे बैंक की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो सकती है। जमाकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए आरबीआई ने इंडसइंड बैंक की वित्तीय स्थिति को लेकर सारे सवालों का समाधान करने का दावा किया है। बैंक की प्रतिष्ठित योजनाएं और सावधानियाँ इस समय जोर पर हैं और सभी दिशाओं से उन्हें समर्थन मिल रहा है। इंडसइंड बैंक की यह घटनाएं वित्तीय समुदाय में गहरी चर्चा में हैं

और नए सीईओ के चयन से इसका मार्केट पर क्या प्रभाव होगा, यह देखने लायक है। इसके साथ ही, विसंगतियों के समाधान और वित्तीय स्थिति के सुधार के लिए अब किस प्रकार के कदम उठाए जाएंगे, यह भी बातचीत का विषय बन रहा है।

वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी

- डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख और कच्चे तेल के दाम पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई ।

इस सप्ताह वैश्विक रुझान, शुल्क से जुड़े घटनाक्रम और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। यह राय विश्लेषकों ने जताई है। पिछले सप्ताह बेंचमार्क सूचकांक चार प्रतिशत से अधिक चढ़ गए। एक विशेषज्ञ ने कहा कि निवेशकों की धारणा में सुधार, विदेशी पूंजी प्रवाह और सकारात्मक वैश्विक घटनाक्रमों से बाजार में यह तेजी आई। एक बाजार विश्लेषक ने उम्मीद जताई है कि आकर्षक मूल्यांकन और आर्थिक पुनरुद्धार के संकेतों के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय बाजार में वापसी से यह तेजी जारी रहेगी। एक विश्लेषक ने कहा कि निवेशकों की नजरें डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख और वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम पर भी रहेगी। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कोई प्रमुख आर्थिक घटनाक्रम

नहीं होने की वजह से सभी का ध्यान मार्च के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटान और एफआईआई की गतिविधियों पर रहेगा। वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजारों पर सभी की नजर रहेगी। शुल्क से संबंधित घटनाक्रम और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि, तेज गिरावट के बाद अमेरिकी बाजारों में अस्थायी राहत देखने को मिली है, लेकिन मिले-जुले संकेतों से आने वाले सत्रों में संभावित रूप से कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख ने कहा कि घरेलू बाजार ने लगातार सुधार के साथ सप्ताह का समापन किया है। जोखिम-मुक्त दरों में प्रत्याशित कमी, डॉलर सूचकांक में सुधार की वजह से उभरते बाजारों में निवेश प्रवाह लौट रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली अब कम हो गया है और वे शुद्ध लिवाल बन गए हैं। इससे घरेलू बाजार की धारणा में सुधार हुआ है।

टेस्ला के भारतीय बाजार में प्रवेश करने की योजना

- भारतीय उत्पादकों के लिए एक बड़ा अवसर खुलने की संभावना

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल और टेक्नोलॉजी उद्योग में एक बड़ा बदलाव आने वाला है, क्योंकि ग्लोबल ऑटोमोबाइल उत्पादक कंपनी टेस्ला भारतीय बाजार में अपना कदम बढ़ाने की योजना बना रही है। टेस्ला की भारत में मैन्युफैक्चरिंग इकाई की स्थापना के लिए बातचीत के दौरान, भारतीय उत्पादकों के लिए एक बड़ा अवसर खुलने की संभावना है। टेस्ला के भारत में प्रवेश के बाद, टाटा ग्रुप की कंपनियां जैसे टीसीएस, टाटा ऑटोकॉम्प, टाटा टेक्नोलॉजीज और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने टेस्ला के महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता बनने का मौका पकड़ा है। इसके साथ ही भारतीय कंपनियों को भी विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक नया द्वार खोलने का अवसर मिलेगा। टेस्ला ने भारतीय कंपनियों से विभिन्न घटकों की खरीदारी की योजना बनाई है, जिनमें वायरिंग हार्नेस, इलेक्ट्रिक मोटर्स, गियरबॉक्स, फोर्ज्ड पार्ट्स, कास्टिंग्स, शीट मेटल, उच्च मूल्य वाली इलेक्ट्रॉनिक्स, सस्पेंशन सिस्टम्स और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन शामिल हैं। भारत के अनेक क्षेत्रों में जानी-मानी उत्पादकों के साथ करार कर टेस्ला ने भारतीय उत्पादकों के लिए नए व्यापारिक अवसर खोले हैं। इस बड़े कदम के साथ, टेस्ला के भारत में भविष्य के योजनाएं में भी भारतीय आर्थिक संगठनों और कंपनियों की साइबर में सहयोग और भागीदारी की संभावना है। इसके साथ ही टेस्ला की स्थिति मजबूत होने से भारतीय उद्यमियों को भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में माजूद रोजगार और उत्पादन के विस्तार का आधार प्राप्त होगा। इस तरह, टेस्ला के भारत में विदेशी उत्पादकों के साथ संबंध बनाने से न केवल उद्यमियों का पूंजी लाभ होगा, बल्कि भारतीय उत्पादकों को भी दुनिया के स्तर पर स्थान बनाने का मौका मिलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संजू और ध्रुव के अर्धशतक बेकार, हैदराबाद ने राजस्थान को हराकर किया विजयी आगाज

हैदराबाद (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल 2025 में अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इशान किशन (106) ने राजस्थान रॉयल्स के कमजोर आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 45 गेंदों पर शानदार शतक जड़ा जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने रविवार को आईपीएल के अपने घरेलू मैच में छह विकेट पर 286 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

इसके जवाब में राजस्थान ने कुछ शुरूआती झटकों के बावजूद संजू सैमसन (67) और ध्रुव जुरेल (70) के अर्धशतकों की बदौलत कोशिश तो की लेकिन वह अंतिम ओवरों में हैदराबाद की सधी हुई गेंदबाजी के कारण 6 विकेट के नुकसान पर 242 रन बनाकर 44 रन से पीछे रह गए। सिमरजीत सिंह और हर्षल पटेल ने हैदराबाद की तरफ से 2-2 विकेट लिए जबकि मोहम्मद शमी, एडम जम्पा ने एक-एक विकेट झटका।

इससे पहले हैदराबाद की उमस भरी गर्मी में रॉयल्स के अनुभवहीन कप्तान रियान पराग ने आईपीएल की सबसे सपाट पिच पर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करके बड़ी गलती की। ट्रेविस हेड ने पारी की शुरुआत में 31 गेंदों पर 67 रन बनाकर रॉयल्स के गेंदबाजों के खिलाफ मनमुताबिक रन बटोरे और फिर किशन ने 47 गेंदों पर नाबाद 106 रन बनाकर एसआरएच के लिए अपने पदार्पण को यादगार बनाया। हेड और किशन ने दूसरे विकेट के लिए 39 गेंद में 85 रन की साझेदारी की। दोनों ने मिलकर 20 चौके और नौ छक्के लगाए।

हैदराबाद ने पिछले सत्र की अपनी लय को जारी रखा लेकिन टीम अंतिम ओवर में दो विकेट गंवाने के कारण अपने और आईपीएल के सर्वश्रेष्ठ स्कोर (तीन विकेट पर 287 रन) को पीछे छोड़ने से चूक गई। जोफ्रा आर्चर ने चार ओवर में 76 रन लुटाए। वह आईपीएल इतिहास में बिना विकेट लिए सबसे ज्यादा रन लुटाने वाले गेंदबाज बन गए।

सुरक्षा घेरा तोड़कर विराट के पास पहुंचा प्रशंसक

कोलकाता (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने प्रशंसकों के बीच बेहद लोकप्रिय हैं। उनकी प्रति प्रशंसकों में कितनी दीवानगी है। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आईपीएल के पहले मैच में विराट का एक प्रशंसक सुरक्षा घेरे को लांघकर उनके पास पहुंच गया। इस मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से विराट ने शानदार अर्धशतक लगाकर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) केकेआर के खिलाफ मिली जीत में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान कोहली को देखने भारी तादाद में प्रशंसक मैदान में पहुंचे थे। इसी बीच एक प्रशंसक मैदान पर आ गया और उसने कोहली के पैर छूये। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ है। इसमें विराट जब बल्लेबाजी कर रहे थे तभी एक अति उत्साहित दर्शक उनके पास पहुंचा। इसके बाद उसने कोहली को गले लगाया। बाद में सुरक्षाकर्मियों ने उसे मैदान से बाहर किया। ये पहली बार नहीं है जबकि विराट का कोई प्रशंसक मैदान में घुस आया हो। पहले भी समय-समय पर ये वाकये हुए हैं।

विराट के नाबाद 59 और फिल सॉल्ट के नाबा 56 के अलावा रॉयल चैलेंजर्स आरसीबी ने शुरूआती मुकाबले में केकेआर को सात विकेट से हराया। वहीं कप्तान अजिंक्य रहाणे की 31 गेंद में 56 रन की पारी के बावजूद केकेआर की टीम 8 विकेट पर 174 रन ही बना पायी।

आईपीएल 2025: क्या इस बार 300 रन का आंकड़ा होगा पार

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 की रिकॉर्डतोड़ बैटिंग के बाद क्रिकेटप्रेमी यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या इस बार भी आइपीएल में 300 रन का आंकड़ा पार होगा। आरसीबी के पूर्व डायरेक्टर माइक हेसन मानते हैं कि आईपीएल 2025 में 300 का स्कोर जरूर बनेगा। आकाश चोपड़ा ने स्टार स्पोर्टस के एक शो में कहा कि इस बार 300 रन बनना तय मानिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें लगता है कि आईपीएल 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद एक नहीं, बल्कि 2 बार पावरप्ले में 100 से ज्यादा रन बनाएगी। यह भी संभव है कि एसआरएच 300 से ज्यादा रन का स्कोर भी बना दे। उसके पास ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा के रूप में तूफानी ओपनर पहले से हैं। ईशान किशन का फायरपावर उसे और मजबूत बनाता है। इसके बाद हेनरिक क्लासेन तो हैं ही। एबी डिविलियर्स भी इस शो में आकाश चोपड़ा के साथ थे। उन्होंने भी माना कि इस बार 300 रन बन सकते हैं। हालांकि, उन्होंने इसके लिए किसी टीम पर दांव नहीं लगाया। केकेआर के स्ट्रेटजी कंसलटेंट नाथन लेमन 300 रन के सवाल पर कहते हैं, 'हां, जरूर। हमने पिछले दो साल में बड़े-बड़े स्कोर देखे हैं। हमने पिछले साल 260 से बड़े स्कोर कई बार देखे। कई बार देखा कि पावरप्ले में 100 रन बन गए। स्कोर में तेजी बढ़ती ही जाएगी। काफी कुछ बदल गया है। टीमें नए नियम का फायदा उठाने की तरकीब तलाश रही हैं। एक्स्ट्रा बैटर रखकर टीमें अपनी आक्रामकता बढ़ाती जा रही हैं। इसलिए बड़े स्कोर के लिए तैयार रहिए।'

बता दें कि नाथन लेमन इंग्लैंड क्रिकेट टीम के लीड एनालिस्ट तब रह चुके हैं, जब उसने वनडे में सबसे बड़ा स्कोर बनाया था। क्रिकेटप्रेमी जानते हैं कि आईपीएल 2024 से पहले टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर 263/5 था, जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने 2013 में बनाया था। आरसीबी का यह रिकॉर्ड टूटने में 11 साल लग गए। लेकिन 2024 में कमाल ही हो गया। इस साल आईपीएल में 7 बार 260 रन का आंकड़ा पार किया। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने आरसीबी के खिलाफ एक बार 3 विकेट पर 287 रन ठोक दिए, जो अब आईपीएल का सबसे बड़ा स्कोर है। बता दें कि आईपीएल में 260 रन से बड़े स्कोर 8 बार बने हैं। इनमें से 7 बार यह आंकड़ा पिछले साल पार किया गया।

आईपीएल 2025: एलएसजी ने चोटिल मोहसिन खान की जगह शार्दुल ठाकुर को टीम में शामिल किया

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। विशाखापत्तनम, 23 मार्च (वेब वार्ता)। लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने भारत के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान की जगह टीम में शामिल किया है। मोहसिन चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 से बाहर हो गए हैं।

शार्दुल पिछले साल हुई मेगा नीलामी में नहीं बिके थे। वह अब तक आईपीएल में पांच टीमों - चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके), दिल्ली कैपिटल्स (डीसी), किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स, पीबीकेएस), कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और राइजिंग पुणे सुपरजायंट (अब नहीं है) के लिए 95 मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 67 विकेट लिए हैं और उनका इकॉनमी रेट 8.89 है।

आईपीएल के बयान के अनुसार, 'अनुभवी ऑलराउंडर ठाकुर को रजिस्टर्ड उपलब्ध खिलाड़ी लिस्ट (आरएपीपी) से उनके आधार मूल्य 2 करोड़ रुपये में शामिल किया गया है। वह भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन कर चुके हैं और आईपीएल में भी उनका अनुभव बहुमूल्य रहेगा।'

मोहसिन को पिछले साल दिसंबर में विजय हजारे ट्रॉफी के दौरान घुटने की गंभीर चोट (एसीएल टीयर) लगी थी। वह एलएसजी के प्री-सीजन कैंप में शामिल हुए थे, लेकिन नेट्स में गेंदबाजी करते समय उनकी पिंडली में चोट लग गई, जिसके कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

33 वर्षीय शार्दुल, जो नीलामी में नहीं बिके थे, ने 2025 सत्र की शुरुआत में इंग्लैंड की एसेक्स टीम के लिए सात मैचों का काउंटी चैंपियनशिप करार किया था। हालांकि, अब उन्हें आईपीएल में खेलने के लिए एलएसजी के साथ रहना होगा, जिससे यह करार रद्द हो सकता है। शार्दुल 2018 और 2021 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ दो बार आईपीएल जीत चुके हैं। वह इस समय विशाखापट्टनम में एलएसजी टीम के साथ हैं, जहां एलएसजी टीम सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 में अपना पहला मैच खेलेगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम- ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडन मार्करम, आर्यन जुयाल, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्जके, निकोलस पूरन, मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हंगरगेकर, अश्विनी कुलकर्णी, आयुष बडोनी, आवेश खान, आकाशदीप, एम सिद्धार्थ, शमार जोसेफ, प्रिंस यादव, मयंक यादव, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, मोहसिन खान, रवि बिश्नोई.

आईपीएल उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री दिशा पाटनी अपने ड्रेस को लेकर ट्रॉल हुई

मुम्बई ।आईपीएल के उद्घाटन समारोह में अभिनेत्री दिशा पाटनी अपनी ड्रेस को लेकर ट्रॉल हो रही हैं। सोशल मीडिया पर लोग उनके पहनावे की आलोचना करते दिखे हैं। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुए इस समारोह में दिशा ने अपने कार्यक्रम से सभी का ध्यान खींचा पर उनकी ड्रेस पर लोगों ने सवाल उठाये हैं। दिशा की ड्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर कई लोगों ने नाराजगी जतायी है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि इस प्रकार के ड्रेस की ड्रेस देखकर परिवार के साथ आये लोगों को असहज लगा। दिशा ने कार्यक्रम के दौरान आइवरी ब्रालेट और मैचिंग स्कर्ट पहनी हुई थी। कई लोगों ने कार्यक्रम की सराहना की पर कहा कि जिस प्रकार की ड्रेस पहनकर वह आयीं। इसकी अनुमति भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को नहीं देनी चाहिये थी। एक यूजर ने सोशल मीडिया में लिखा, 'बीसीसीआई ने ये जानते हुए कि ये सब परिवारों और बच्चे भी देखते हैं, फिर भी इस तरह की द्र ड्रेस के साथ कार्यक्रम की अनुमति कैसे दे दी जबकि दूसरे यूजर ने लिखा, 'ये हरकत खेल आयोजन के लिए सही नहीं कही जा सकती है। कई लोगों ने कहा कि आईपीएल बच्चे भी देखते हैं, ऐसे में बीसीसीआई को सभी बातों का ध्यान रखना चाहिये था।

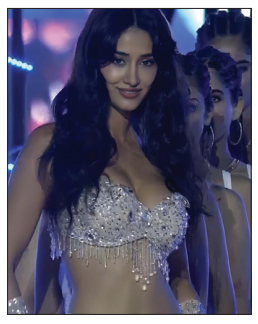

दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करना चाहते हैं रबाडा, दिया यह बयान

नई दिल्ली ।तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा का कहना है कि अगर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका उन्हें राष्ट्रीय टीम की कप्तानी की पेशकश करता है तो वह इस पर गंभीरता से विचार करेंगे क्योंकि वह कई भूमिकाएं निभाने के खिलाफ नहीं है। आधुनिक समय के महान तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में जसप्रीत बुमराह और पैट कमिंस के साथ रबाडा तीसरे गेंदबाज हैं। इनमें से कमिंस नियमित ऑस्ट्रेलियाई कप्तान हैं जबकि बुमराह भारत के लिए टेस्ट और टी20अंतरराष्ट्रीय में अस्थायी कप्तान रहे हैं। रबाडा को अगर मौका मिलता है तो वह भी इस भूमिका में उनके साथ जुड़ना चाहते हैं इसलिये 29 वर्षीय यह खिलाड़ी इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए जरूरी मानसिक बदलाव के बारे में सोच रहा है। रबाडा ने एक विशेष इंटरव्यू में कहा, 'मुझसे यह सवाल कई बार पूछा गया है। इसने मुझे इस पर विचार करने के लिए मजबूर किया है। मुझे लगता है कि इसके लिए मेरी ओर से कुछ परिपक्वता की आवश्यकता होगी। लेकिन अगर क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका या किसी कोच द्वारा मुझसे यह सवाल पूछा जाता है तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा।' उन्होंने कहा, 'और मैं पहले से ही सोच रहा था कि इसमें किस तरह का बदलाव होगा क्योंकि अब आप केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित नहीं कर सकते क्योंकि तब आपको हर किसी पर ध्यान केंद्रित करना होगा। और सिर्फ मैदान पर ही नहीं बल्कि मैदान के बाहर भी।' रबाडा ने कहा, 'मुझे लगता है कि इसके लिए निश्चित रूप से परिपक्वता की आवश्यकता होगी और इसके लिए बहुत सारी योजना बनानी होगी। इसलिए, अगर मुझसे यह सवाल पूछा जाता है तो मैं इस पर गंभीरता से विचार करूंगा।' रबाडा 70 टेस्ट में 327 विकेट ले चुके हैं। उनके नाम 168 वनडे और 71 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हैं।

वसीम जाफर ने ऑरेंज और पर्पल कैप को लेकर कर दी भविष्यवाणी

-इन दो खिलाड़ियों के नाम बताए

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल 2025 का आगाज होने को है, इसके पहले पूर्व क्रिकेटरों का टूर्नामेंट को लेकर भविष्यवाणी देने का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मौजूदा जानकार वसीम जाफर ने सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी को लेकर अपनी भविष्यवाणी की है। जाफर ने इस बार ऑरेंज कैप के लिए साई सुदर्शन को, पर्पल कैप के लिए अर्शदीप सिंह को दावेदार बता दिया है। साई गुजरात जाएंट्स का हिस्सा हैं, वहीं अर्शदीप पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे हैं। इस जोड़ी की भिड़ंत 25 मार्च को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगी।

गुजरात टाइटंस ने 2024 सीजन के बाद साई सुदर्शन को 8.50 करोड़ रुपये में रिटेन किया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बीते सीजन शानदार प्रदर्शन कर 12 पारियों में 47.91 की औसत और 141.29 की स्ट्राइक रेट से 527 रन बनाए थे। वे जीटी के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और कुल मिलाकर छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे।

वहीं अर्शदीप ने भी 2024 सीजन के दौरान अपना बेहतर प्रदर्शन किया था। उन्होंने 14 पारियों में 26.58 की औसत और 10.03 की इकॉनमी रेट से 19 विकेट झटके थे। हालांकि उन्हें सीजन के बाद पीबीकेएस द्वारा रिटेन नहीं किया गया, लेकिन फ्रैंचाइजी ने उन्हें राइट-टू-मैच कार्ड के जरिए 18 करोड़ रुपये में आईपीएल 2025 मेगा नीलामी में अपने स्क्वॉड में फिर शामिल किया। पिछले दो सीजन में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप भारतीय खिलाड़ियों ने जीती हैं। 2024 में विराट कोहली और हर्षल पटेल क्रमशः सबसे ज्यादा रन और विकेट लेने वाले खिलाड़ी रहे, जबकि 2023 में शुभमन गिल और मोहम्मद शमी ने इस पहना था। जोस बटलर (2022) और कैगिसो रबाडा (2020) क्रमशः ऑरेंज कैप और पर्पल कैप जीतने वाले अंतिम विदेशी खिलाड़ी थे।

विराट कोहली ने पहनी 2.50 करोड़ रुपये कीमत की घडी

नई दिल्ली। हाल ही में भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को कोलकाता में आईपीएल 2025 के लिए देखा गया। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की जर्सी पहने हुए शहर में एंट्री करते ही प्रशंसकों ने तुरंत उनकी घड़ी पर ध्यान दिया। विराट कोहली ने जो घड़ी पहनी थी, वह रोलेक्स डेटोना ले मैन्स 100वीं वर्षगांठ वाली वॉच थी। इसकी कीमत लगभग 2.50 करोड़ रुपये है। इतनी कीमत में दिल्ली में आसानी से लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा जा सकता है। विराट कोहली का महंगी घड़ियों का शौक किसी से छुपा नहीं है। इस बार भी उन्होंने सबको अपनी घड़ी से आकर्षित किया। वह हाल ही में आईपीएल 2025 के लिए कोलकाता में थे। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की जर्सी पहनी थी। लोगों ने उनकी शानदार घड़ी को तुरंत नोटिस किया। विराट कोहली ने जो घड़ी पहनी थी, वह रोलेक्स डेटोना थी। यह ले मैन्स की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर बनाई गई विशेष घड़ी है। यह घड़ी अपनी सुंदरता और कारीगरी के लिए जानी जाती है। इसमें 18 कैरेट पीले सोने का केस है। इसके साथ ही, इसमें काले रंग का सिरेमिक बेजल भी है। इस घड़ी की कीमत भी इसकी सुंदरता के जैसी ही है। द इंडियन होरोलॉजी के अनुसार, इस घड़ी की खुदरा कीमत 47.59 लाख रुपये है। लेकिन, बाजार में इसकी कीमत 2.50 करोड़ रुपये तक जा सकती है। इस घड़ी में पॉल न्यूमैन स्टाइल के काउंटर हैं। यह डायल पर बने हुए हैं। यह घड़ी बहुत टिकाऊ है। इसमें खरोंच से बचाने वाला नीलम क्रिस्टल लगा है। इसमें ट्रिपल वाटरप्रूफ प्रोटेक्शन के साथ एक स्क्रू-डाउन क्राउन भी है। घड़ी का डायल काले और सफेद रंग का है। इसमें चमकदार मार्कर हैं। इससे यह हर तरह की रोशनी में आसानी से दिखती है। इसमें 18 कैरेट सोने का ऑयस्टर ब्रेसलेट है। यह घड़ी को सुरक्षित और आरामदायक बनाता है। बता दें कि विराट कोहली क्रिकेट की दुनिया के बड़े नाम हैं। वह मैदान पर जितने जोरदार हैं, उनकी महंगी घड़ियों का कलेक्शन भी उतना ही शानदार है।

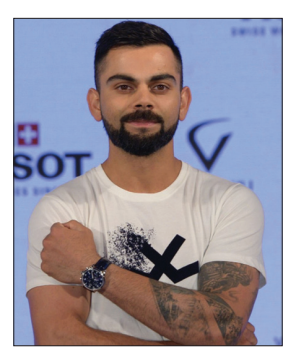

आरोन फिंच ने कहा, कोहली हैं ना, इसलिए आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं रोहित

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच का मानना है कि टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के पास किसी भी युवा टी20 स्टार की तरह बेहतर स्ट्राइक-रेट से रन बनाने की कला है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम का कॉम्बिनेशन ऐसा है कि उन्हें बिना जोखिम के बड़ा स्कोर खड़ा करने पर ध्यान देना होगा। फिंच ने कहा कि रोहित शर्मा जैसे खिलाड़ी लगातार अधिक जोखिम भरा क्रिकेट खेल रहे हैं। कोहली हालांकि 2023 में 140 और 2024 में 154.70 के स्ट्राइक रेट से 741 रन बनाकर धीमी बल्लेबाजी करने का मिथक तोड़ने में सफल साबित हुए हैं। फिंच से पूछा गया कि क्या कोहली को आरसीबी को पूरा फायदा दिलाने के लिए अपने खेल में बदलाव करने की जरूरत है। इस पर पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मेरा सवाल यह है कि आप कोहली से (आईपीएल) सत्र में 700 या 800 रन देखना चाहते हैं या आप उनसे 400 रन से खुश रहने वाले हैं, अगर आप कोहली से अधिक स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की उम्मीद करते हैं तब निरंतरता में कमी आयेगी। फिंच ने कहा, इसलिए मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बहुत बड़ा बदलाव करने की जरूरत है। शायद यह गति को थोड़ा बदलने जैसा है। मुझे उससे बड़ी पारी की उम्मीद होगी। फिंच ने माना कि टीमों के पावरप्ले ओवरों को लेकर खेल में काफी बदलाव आया है, लेकिन हर बल्लेबाज की ताकत अलग है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ उन खिलाड़ियों के बारे में नहीं है जो मैदान पर उतरते ही पहली गेंद से 200 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने की कोशिश करते है। मुझे लगता है कि एक ही टीम में सात बल्लेबाजों से ऐसा करने के लिए कहना अवास्तविक है। उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि पिछले दो सत्रों में खेल एक नए स्तर पर चला गया है। लेकिन आपको अभी भी मजबूत नींव तैयार करने की जरूरत होती है और आपको इसतरह के खिलाड़ी चाहिये जो पारी के अंत तक लगातार स्ट्राइक बदलने और बल्लेबाजी करने में सक्षम हो।''

भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान रोहित शर्मा का आईपीएल स्ट्राइक रेट भी कोहली की तरह ही है, लेकिन उन्होंने पिछले कुछ सालों से अधिक आक्रामक रवैये के साथ बल्लेबाजी की है। फिंच ने रोहित के मामले को कोहली से अलग बताकर कहा कि जब आप रोहित के प्रदर्शन को देखते हैं, तब उसके आस-पास मौजूद खिलाड़ियों पर नजर डालें। उसके पास एक ऐसा खिलाड़ी है जिसके आस-पास टीम बल्लेबाजी कर सकती है। इसके बाद उनके लिए शुरुआती ओवरों में ढेर सारे छक्के लगाना ठीक है। मुंबई इंडियंस की टीम में शीर्ष और मध्य क्रम में हार्दिक पंड्या, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ी है। फिंच ने कहा कि रोहित भारत के लिए यह जोखिम उठा सकते है, क्योंकि टीम में उनके साथ कोहली भी है।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के साथ सीरीज के लिए कार्यक्रम घोषित किया

कोलकाता ।भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस साल वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी। इसका पहला टेस्ट पंजाब के मोहाली में जबकि दूसरा टेस्ट कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद नवंबर में अपनी ही धरती पर टीम दो टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैच खेलेगी। भारत और दक्षिया अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला दिल्ली में जबकि दूसरा टेस्ट गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होगा। गुवाहाटी मैदान पर पहली बार कोई टेस्ट मैच खेला जाएगा। भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच गुवाहाटी टेस्ट मैच 22-26 नवंबर में खेला जाएगा। वहीं भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच एकदिवसीय सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में जबकि दूसरा एकदिवसीय 3 दिसंबर को रायपुर और तीसरा एकदिवसीय 6 दिसंबर को विशाखापत्तम में होगा। टी20 मुकाबले 9, 11, 14, 17, 19 दिसंबर को कटक, नागपुर, धर्मशाला, लखनऊ और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। बीसीसीआई के अनुसार महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 सितंबर में भारत में खेला जाएगा और इसका शुरुआती मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा जबकि इसके बचे हुए मैच मुल्लांपुर, इंदौर, तिरुवनंतपुरम और गुवाहाटी में होंग।

गावस्कर बोले- वह अभी भी गेंद को स्टैंड से बाहर मारते हैं, संन्यास की बात क्यों ?

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारतीय दिग्गज एमएस धोनी के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से संन्यास लेने की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि हर बार जब लोग यह सवाल उठाते हैं, तो चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान उन्हें गलत साबित करते हैं। धोनी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उनके लिए उम्र सिर्फ एक संख्या है और उनमें अभी भी गेंद को स्टैंड में मारने की क्षमता है। हमें यह सवाल क्यों पूछना चाहिए? उन पर दबाव क्यों डाला जाए? हर बार जब लोग एमएस धोनी पर सवाल उठाते हैं तो गावस्कर ने कहा कि जब धोनी की बात आती है तो उम्र सिर्फ एक संख्या है।

पूर्व भारतीय कप्तान ने आईपीएल में बल्लेबाजों द्वारा प्रदर्शित आक्रामक मानसिकता के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि वे समझते हैं कि पावरप्ले को कैसे पकड़ना है, जब 30 गज के घेरे के बाहर केवल दो क्षेत्ररक्षकों को अनुमति दी जाती है। उन्होंने बल्लेबाजों की 10-12 रन प्रति ओवर बनाने की मानसिकता के बारे में भी बात की, जो उनकी टीम को 180-200 रन बनाने के लिए एक मजबूत मंच देता है।

उन्होंने कहा कि बल्लेबाज अधिक साहसी और आक्रामक होते जा रहे हैं। वे समझते हैं कि पावरप्ले जहां केवल 2 क्षेत्ररक्षक इनर सर्कल के बाहर होते हैं--का लाभ उठाया जाना चाहिए। आपको प्रति ओवर 10-12 रन बनाने का लक्ष्य रखना होगा और पहले 6 ओवरों में 60-75 रन तक पहुंचना होगा, भले ही आप केवल 1 विकेट खो दें। इससे 180-200 रन बनाने के लिए एक मजबूत मंच तैयार होता है।

चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी एमएस धोनी आईपीएल में फ्रैंचाइजी के सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बनने से केवल 19 रन दूर हैं। पूर्व फ्रैंचाइजी आइकन सुरेश रैना 4687 रनों के साथ शीर्ष पर हैं। धोनी, 43 साल की उम्र में भी मजबूत हैं, 5 बार के चैंपियन के पदानुक्रम में एक अभिन्न स्थान रखते हैं। उन्होंने चेन्नई के लिए फिनिशर की भूमिका निभाना जारी रखा है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में उनकी क्षमता काफी कम हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मन से हो जाएं मुक्त

इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं हैं, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन के भर देता है।

मैं आपके हाथ जीवनभर सुखी रहने की चाबी थमा देती हूं, अगर आप उसे ठीक से संभाल सको, तो कृपया संभाल लेना। चाबी यही है कि जब-जब आपका मन ठहर जाएगा, वहीं पर आपको सच्चा सुख और आनंद मनाने का मौका मिलता है। और जब भी आपका मन अस्थिर रहेगा, आपको दुख, तनाव और चिंताएं घेर लेती हैं। तब आप उन चीजों की तलाश में दर-दर भटकते फिरते हैं, जिन चीजों से आपको लगता है कि सुख मिलेगा। जब आपको अपनी मनचाही चीज मिल जाती है, तब अचानक थोड़ी देर के लिए आपका मन ठहर जाता है। जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही आनंद में मग्न हो जाते हैं। थोड़ी देर बाद वह चीज तो वहीं पर पड़ी रह जाती है, और आपका मन सुख की तलाश में किसी और चीज की तरफ आकर्षित हो जाता है। पर जब आपको थोड़ी देर सुख मिला था, वह इसलिए कि आपका मन उस समय ठहर गया था।

हर क्षण जब आपका मन ठहर जाता है, आप अपने ही भीतर सुख का अनुभव करते हैं। इस मन को ठहराने का तरीका है आपकी श्वसन क्रिया में। जैसे ही आप अपनी श्वसन क्रिया को शांत करते हैं, आपका मन ठहरने लगता है और जब भी मन ठहर जाता है, आप स्वतः सुख का अनुभव करते हो। बाह्य जगत में हमें सुख पाने के लिए वस्तुओं और व्यक्तियों का गुलाम बनना पड़ता है। लेकिन अपने श्वासों को शांत करके अपने ही भीतर मिलने वाले असीम आनंद को पाने में हम अत्यंत स्वतंत्र महसूस कर सकते हैं।

– आनंदमूर्ति गुरुमां

श्वासों को शांत करने से वहीं और उसी क्षण जैसे ही आपका मन ठहर जाता है, आपका सुख आपको तुरंत मिल जाता है। उसके लिए इस दुनिया के किसी भी व्यक्ति या वस्तु से पीछा छुड़ाने की हमें कोई जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ अपने मन से मुक्त होने की जरूरत है। जैसे ही आप अपने मन से मुक्त हो जाते हैं, चैतन्यस्वरूप परमात्मा का प्रकाश आपके जीवन को भर देता है। पर अपने ही भीतर के इस चैतन्य के प्रकाश को आप कैसे देख पाएंगे? सच तो यह है कि जैसे ही आप अपने भीतर उसे देखने में कामयाब हो जाएंगे, जल्दी ही आप बाहर भी उसे देखने लग जाएंगे। लेकिन ज्ञान के बिना आप इस प्रकाश को नहीं देख सकेंगे। प्रश्न यह उठता है कि अगर परमात्मा मेरे ही हृदय में विराजमान हैं, तो उसके लिए मैं क्यों प्यासा हूं? इस मन के अधिष्ठान में परमात्मा ही है, परमात्मा ही आपके मन का सर्वस्व है। फिर भी आपका मन उसके लिये तड़पता है।

कबीर कहते हैं, 'जल विच मीन पियासी, मोहे देखत आवे हासी' यानी पानी में रह कर भी मछली पानी के बिना प्यासी है। आपके मन का अधिष्ठाता परमात्मा है। आप परमात्मा में ही रहते हैं, फिर भी आप परमात्मा से वंचित रहते हैं, दुखी होते हैं और अपने आपको हजार चीजों में उलझाये रखते हैं। जब आपका मन ठहर जाता है, उसी क्षण उस प्यारे के प्रेम की बरसात आपके दिल में होने लगती है। मन को श्वसन क्रिया की अलग-अलग विधियों द्वारा ठहराया जा सकता है, जिससे आपके हृदय के उपवन में परमात्मा के असीम प्रेम की बरसात होने लगती है। अपने आसपास की ध्वनियों को सुनें, उन्हें आत्मसात करें, अपने श्वास में पिरोएं। आपके अंदर जब प्रेम भरने लगेगा, आप खुद अपने आपको मुक्त पाएंगे। परमात्मा के साथ अपना एकाकार करने के लिए बस आपको अपने अंदर की ध्वनि सुननी होगी, अपने श्वासों के माध्यम से। आप दुख और सुख में एकलीन हो जाएं। कुछ समय बाद आप ना दुख को महसूस करेंगे ना सुख को। बल्कि चौबीसों घंटे एक अलग दुनिया में विचरण करेंगे। इस स्थिति तक पहुंचने के लिए योगी, साधू और तपस्वी ना जाने क्या-क्या जतन करते हैं।

परमात्मा को क्या चाहिए? यह सवाल अपने आप से भी जानिए कि आपको क्या चाहिए? जल आपके पास है, वायु आपके पास है, धरती आपके समीप है। इससे अधिक क्या? मोह की मुक्ति की शुरुआत अपने भीतर से करिए। श्वास को आते-जाते महसूस कीजिए और कल्पना कीजिए कि आप मुक्त हो रहे हैं दुखों से, छल-कपट और निष्ठुरता से। यही है सुख की चाबी। दुखों से मुक्ति सुख नहीं है। मुक्ति को पाना और समीप से महसूस करना ही असली सुख है।

जब देवताओं ने ली हनुमानजी के बल और बुद्धि की परीक्षा

हनुमानजी को आकाश में बिना विश्राम लिये लगातार उड़ते देखकर समुद्र ने सोचा कि ये प्रभु श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा करने के लिए जा रहे हैं। किसी प्रकार थोड़ी देर के लिये विश्राम दिलाकर इनकी थकान दूर करनी चाहिए। उसने अपने जल के भीतर रहने वाले मैनाक पर्वत से कहा, मैनाक! तुम थोड़ी देर के लिये ऊपर उठकर अपनी चोटी पर हनुमानजी को बिठाकर उनकी थकान दूर करो। समुद्र का आदेश पाकर मैनाक प्रसन्न होकर हनुमानजी को विश्राम देने के लिये तुरंत उनके पास आ पहुंचा। उसने उनसे अपनी सुंदर चोटी पर विश्राम के लिये निवेदन किया। उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, मैनाक! तुम्हारा कहना ठीक है, लेकिन भगवान श्रीरामचंद्रजी का कार्य पूरा किये बिना मेरे लिये विश्राम करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। ऐसा कहकर उन्होंने मैनाक को हाथ से छूकर प्रणाम किया और आगे चल दिये।

हनुमानजी को लंका की ओर प्रस्थान करते देखकर देवताओं ने सोचा कि ये रावण जैसे बलवान राक्षस की नगरी में जा रहे हैं। इनके बल बुद्धि की विशेष परीक्षा कर लेना इस समय आवश्यक है। यह सोचकर उन्होंने नागों की माता सुरसा से कहा, 'देवी सुरसा! तुम हनुमान के बल बुद्धि की परीक्षा लो। देवताओं की बात सुनकर तुरंत सुरसा एक राक्षसी का रूप धारण कर हनुमानजी के सामने जा पहुंची। उसने उनका मार्ग रोकते हुए कहा, वानरवीर! देवताओं ने आज मुझे तुमको अपना आहार बनाने के लिये भेजा है।

उसकी बातें सुनकर हनुमानजी ने कहा, माता! इस समय मैं प्रभु श्रीरामंचद्रजी के कार्य से जा रहा हूं। उनका कार्य पूरा करके मुझे लौट आने दो। उसके बाद मैं स्वयं ही आकर तुम्हारे मुंह में प्रविष्ट हो जाउंगा। इस समय तुम मुझे मत रोको, यह तुमसे मेरी प्रार्थना है। इस प्रकार हनुमानजी ने सुरसा से बहुत प्रार्थना की, लेकिन वह किसी प्रकार भी उन्हें जाने नहीं दे रही थी। अंत में हनुमान जी ने क्रुद्ध होकर कहा, 'अच्छा तो लो तुम मुझे अपना आहार बनाओ। उनके ऐसा कहते ही सुरसा अपना मुंह सोलह योजन तक फैलाकर उनकी ओर बढ़ी। हनुमानजी ने तुरंत अपना आकार उसका दूना अर्थात् 32 योजन तक बढ़ा लिया।

इस प्रकार जैसे जैसे वह अपने मुख का आकार बढ़ाती गयी, हनुमानजी अपने शरीर का आकार उसका दूना करते गये। अंत में उसने अपना मुंह फैलाकर 100 योजन तक चौड़ा कर लिया। तब हनुमानजी तुरंत अत्यंत छोटा रूप धारण करके उसे उस 100 योजन चौड़े मुंह में घुसकर तुरंत बाहर निकल आये। उन्होंने आकाश में खड़े होकर सुरसा से कहा, माता! देवताओं ने तुम्हें जिस कार्य के लिए भेजा था, वह पूरा हो गया है। अब मैं भगवान श्रीरामंचद्रजी के कार्य के लिए अपनी यात्रा पुनः आगे बढ़ाता हूं। सुरसा ने तब उनके सामने अपने असली रूप में प्रकट होकर कहा, महावीर हनुमान! देवताओं ने मुझे तुम्हारे बल बुद्धि की परीक्षा लेने के लिए यहां भेजा था। तुम्हारे बल बुद्धि की समानता करने वाला तीनों लोकों में कोई नहीं है। तुम शीघ्र ही भगवान श्रीरामचंद्रजी के सारे कार्य पूर्ण करोगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। ऐसा मेरा आशीर्वाद है।

गाय रखकर कर सकते हैं वास्तु दोषों का निवारण

गाय का भारतीय संस्कृति में विशिष्ट स्थान है। यह सदा से भारतीय जन-जीवन की धुरी रही है। प्राचीन काल में हमारे देश में सर्वाधिक सम्पन्नता के स्तर का मापक गाय ही हुआ करती थी। देशी-विदेशी चिकित्सा प्रणालियों में गाय की बड़ी महिमा है। पुराणों के अनुसार गाय में तैंतीस करोड़ देवी-देवताओं का निवास है। गाय को भी देवता के समान माना गया है। गर्ग संहिता के अनुसार नौ लाख गाय रखने वाले को नंद, पांच लाख गायों के मालिक को उपनंद। दस लाख गाय वला 'वृषभानु' एंव एक करोड़ गायों को पालक को 'नंदराज' कहा जाता था। श्रीकृष्ण का नाम आते ही उनके चारों ओर गाय-बछड़ों एवं गोप-ग्वालों का चित्र हमारे मानस पटल पर आ जाता है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार गायों की निम्नलिखित विशेषताएं हैं-

- गोदुग्ध पीने से हमें सतत शक्ति एवं स्फूर्ति मिलती है। गोमूत्र सेवन से शरीर रोगमुक्त होता है।
- जिस स्थान पर भवन या घर का निर्माण करना हो तो यदि वहां बछड़े वाली गाय को बांधा जाए तो वहां वास्तु दोषों का निवारण हो जाता है। कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आती।
- ज्योतिष में गोधूली का समय विवाह के लिए सर्वोतम माना गया है। जब गायें जंगल से चरकर वापस घर आती है उस समय को गोधूली वेला कहते हैं।
- यात्रा के समय गाय सामने पड़ जाए तो यात्रा सफल होती है।
- किसी भी जन्मपत्री में सूर्य नीच राशि तुला पर हो या अशुभ स्थिति में हो अथवा केतु द्वारा परेशानियां आ रही हो तो गाय की पूजा करनी चाहिए, दोष समाप्त होंगे।
- विष्णु पुराण में कहा गया है जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गये तो नन्द दम्पनी ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया।
- संतान लाभ के लिए गाय की सेवा का अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण के अनुसार गाय की सेवा करने वालों को यम का भय नहीं रहता।
- आयुर्वेद में गाय के घी को आयु कहा गया है। गाय का घी सेवन करने वाला व्यक्ति दीर्घायु होता है।
- गोमूत्र में कार्बोलिक एसिड होता है जो कीटानाशक है और शुद्धता बढ़ाता है। इसमें स्वर्णक्षर मौजूद रहता है जो अति उपयोगी रसायन है।
- गाय भारतीय कृषि का आधार है। बिगड़ी भूमि को सुधारने एवं उर्वराशक्ति को बढ़ाने के लिए गोबर का उपयोग हजारों वर्षों से खेती के लिए किया जा रहा है।
- गोमूत्र में सोलह प्रकार के खनिज तत्व होते हैं जो शरीर के रक्षण, पोषण और विकास में सहायक है। इसके समुचित सेवन से रोग-रोधक शक्ति बढ़ती है। शरीर शक्तिशाली एवं चेतनायुक्त होता है।
- गाय के सींगों का बनावट पिरामिड जैसा होता है। वह एक शक्तिशाली एंटीना के रूप में कार्य करती ह। सींगों की मदद से गाय आकाशीय ऊर्जाओं को शरीर में संचित कर लेती है। वहीं ऊर्जा हमें गोमूत्र, दूध ओर गोबर द्वारा मिलता है।

गाय के दूध में कैरोटीन नामक पदार्थ भैंस के दूध से दस गुना अधिक होता है। भैंस का दूध गर्म करने पर उसके सर्वाधिक पोषक तत्व मर जाते हैं। जबकि गाय का दूध गर्म करने का भी वैसे ही पोषक तत्व विद्यमान रहते हैं।

- देशी गाय पूर्णतय शाकाहारी पशु है जबकि जरसी गाय मांसाहारी जंगली पशु है। जरसी गाय के भोजन में मांस का टुकड़ा मिला दिया जाए तो बड़े चाव से खा जाती है।
- धार्मिक मान्यता के अनुसार भारतीय गोवंश का उद्गम जंगल से नहीं बल्कि समुद्र मंथन से प्राप्त गोमाताओं से है। वैज्ञानिकों का कहना है कि भारतीय गोवंश का मूल स्रोत 'औरक्तस' नामक पशु है जिसने 18 लाख वर्ष पूर्व भारत में जन्म लिया था।
- क्रासबीडिंग करना अथवा विदेशी गायों की ओर देखना छोड़कर हमें अपनी भारतीय नस्ल की गायों को उचित महत्व देना चाहिए।
- गौमाता की कृपा से गोभक्तों का आगामी वंश भी संस्कारवान होता है। गोसेवा करने वाला निश्चिंत रहता है। किसी ने ठीक लिखा है-

जा घर होय तुलसी अरू गाय।
ता घर वैद्य कबहुं नहीं जाए।।

मात्र 11 दिन में खुशी से झोली भर देंगे गणेशजी के यह 3 मंत्र

गणेशजी के यह 3 विलक्षण अमोघ मंत्र

भगवान श्री गणेश अप ने हर रूप में प्रसन्नता और खुशियों का वरदान देते हैं। उनकी हर आराधना फलदायक होती है। वह सौभाग्य और मंगल के प्रदाता हैं। आइए जानते हैं उनके 3 ऐसे चमत्कारी मंत्र जो विधिवत करने पर मात्र 11 दिन में जीवन बदल देने की क्षमता रखते हैं।

मंत्र 1 : गणेश गायत्री मंत्र

ॐ एकदन्ताय विद्महे वक्रतुंडाय धीमहि तन्नो बुद्धि प्रचोदयात।।

यह गणेश गायत्री मंत्र है। इस मंत्र का 11 दिन शांत मन से 108 बार जप करने से गणेशजी की विशिष्ट कृपा होती है। गणेश गायत्री मंत्र के जप से व्यक्ति का भाग्य चमक जाता है और हर कार्य अनुकूल सिद्ध होने लगता है।

मंत्र 2 : तांत्रिक गणेश मंत्र

ॐ ग्लौम गौरी पुत्र, वक्रतुंड, गणपति गुरू गणेश।
ग्लौम गणपति, ऋद्धि पति, सिद्धि पति। करों दूर क्लेश।।

11 दिन तक इस मंत्र का 108 बार जाप करने व्यक्ति के जीवन के सारे क्लेश समाप्त होते हैं। धन, धान्य, संपत्ति, समृद्धि, खुशियां, वैभव, पराक्रम, विद्या और शांति की प्राप्ति होती है। लेकिन इस मंत्र के प्रयोग के समय व्यक्ति को पूर्ण सात्विकता रखनी होती है और क्रोध, मांस, मदिरा, परस्त्री संबंधों से दूर रहना होता है।

मंत्र 3 : गणेश कुबेर मंत्र

ॐ नमो गणपतये कुबेर येकद्रिको फट् स्वाहा।

यह मंत्र अपार लक्ष्मी देने वाला है। गणेशजी की पूजा करने के बाद गणेश कुबेर मंत्र का 11 दिन तक नियमित रूप से जाप करने से व्यक्ति को धन के नवीन स्त्रोत मिलना आरंभ होते हैं। जीवन में खुशियां दस्तक देने लगती है।

वेद, विज्ञान और पुराणों से जानिए शंख की महिमा

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लेख मिलता है कि 'शंख' चंद्रमा और सूर्य के समान ही देव हैं। शंख के मध्य में वरुण, पीछे के भाग में ब्रह्मा और आगे के भाग में गंगा और सरस्वती का निवास है।

शंख निधि (धन का खजाना) का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि इस मंगलचिह्न को घर के पूजास्थल में रखने से अनिष्टों का नाश होता है और सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

शंख का महत्व जितना धार्मिक है उतना ही वैज्ञानिक, वैज्ञानिकों का मानना है कि शंख-ध्वनि के प्रभाव में सूर्य की किरणें बाधक होती हैं। इससे आसपास का वातावरण तता पर्यावरण शुद्ध रहता है।

आयुर्वेद के अनुसार शंखोदक भस्म से पेट की बीमारियों अमूमन पीलिया, यकृत के रोग, पथरी आदि रोग ठीक होते हैं।

पुराणों में उल्लेख मिलता है कि मूक एवं श्वास रोगी हमेशा शंख बजायें तो बोलने की शक्ति पा सकते हैं। ऋषि श्रृंग की मान्यता है कि छोटे-छोटे बच्चों के शरीर पर छोटे-छोटे शंख बांधने तथा शंख में जल भरकर अभिमंत्रित करके पिलाने से वाणी-दोष नहीं रहता है।

यजुर्वेद में कहा गया है कि 'यस्तु शंखध्वनि कुर्यात्पूजाकाले विशेषतः, वियुक्तः सर्वपापेन विष्णुनां सह मोदते' यानी पूजा के समय जो व्यक्ति शंख-ध्वनि करता है, उसके सारे पाप नष्ट हो जाते हैं और वह भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाता है।

मुगल काल के मशहूर संगीतज्ञ तानसेन ने अपने आरंभिक दौर में शंख बजाकर ही गायन शक्ति प्राप्त की थी। अथर्ववेद के चतुर्थ अध्याय में शंखमणि सूक्त में शंख की महिमा का वर्णन मिलता है। अथर्ववेद के अनुसार, शंख से राक्षसों का नाश होता है। भागवत पुराण में भी शंख का विस्तृत उल्लेख मिलता है। यजुर्वेद के अनुसार युद्ध में शत्रुओं का दिल दहलाने के लिए शंख फूकने का वर्णन मिलता है।

गोरक्षा संहिता, विश्वामित्र संहिता, पुलस्त्य संहिता आदि ग्रंथों में दक्षिणावर्ती शंख को आयुर्वद्धक और समृद्धि दायक कहा गया है।

ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, पूजा के समय शंख में जल भरकर देवस्थान में रखने और उस जल से पूजन सामग्री धोने और घर के आस-पास छिड़कने से वातावरण शुद्ध रहता है।

विष्णु पुराण के अनुसार माता लक्ष्मी समुद्र राज की पुत्री हैं तथा शंख की उत्पत्ति भी समुद्र से हुई है, इसलिए शंख उनके भाई है। मान्यता है कि जहां शंख है, वहीं लक्ष्मी जी का वास होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ठग सुकेश को घड़ी पहनने की सलाह देना पड़ा महंगा, रिटायरमेंट के दिन ही आरएमओ सस्पेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मंडोली जेल में बंद कुख्यात ठग सुकेश चंद्रशेखर को कथित तौर पर घड़ी पहनने की सलाह देना जेल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर (आरएमओ) को काफी महंगा पड़ गया। इस मामले में आरएमओ को उनकी रिटायरमेंट वाले दिन ही सस्पेंड कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक मंडोली जेल के आरएमओ को सस्पेंड कर दिया है। जेल के एक अधिकारी ने बताया कि आरएमओ ने जेल में बंद कुख्यात ठग सुकेश चंद्रशेखर को कलाई की घड़ी पहनने की डॉक्टरी सलाह दी थी। आरएमओ की ओर से इस मामले में जेल के संबंधित उच्च अधिकारी को कोई सूचना नहीं दी गई। अधिकारी की अनुमति के बिना कलाई घड़ी की डॉक्टरी सलाह का मामला संज्ञान में आने के बाद जेल प्रशासन द्वारा आरएमओ आर राठी के खिलाफ जांच शुरू की गई और उसके बाद गत 28 फरवरी को उन्हें सस्पेंड कर दिया। उसी दिन आरएमओ की रिटायरमेंट का भी दिन था। जेल अधिकारी फिलहाल इस बात की जांच कर रहे हैं कि आरएमओ ने आखिर किस कारण से सुकेश को कलाई घड़ी पहनने की सलाह दी थी। बता दें इससे पहले दिल्ली की निचली अदालत के निर्देश पर सुरक्षा जांच के साथ जेल अधिकारियों ने सुकेश को कलाई घड़ी दी थी, लेकिन बाद में आदेश के खिलाफ जेल अधिकारियों की ओर से दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी उक्त फैसले को चुनौती दी गई थी। याचिका में सुरक्षा कारणों के चलते हाईकोर्ट से यह अपील की गई थी कि निचली अदालत के आदेश को खारिज कर दिया जाए।

अयोध्या से नागपुर जा रही बस जबलपुर में पलटी, 3 की मौत, 25 घायल

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई और 25 घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा रमनपुर घाटी में हुआ। बस यात्रियों को लेकर अयोध्या से नागपुर जा रही थी। सुबह करीब 4.45 बजे रमनपुर घाटी के पास बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस की मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। वहीं, तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बता दें कि इससे पहले 13 मार्च को मध्य प्रदेश के ही धार जिले के बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर सड़क दुर्घटना में कई लोगों की मौत हो गई थी और तीन गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस ने छह लोगों की मौत की पुष्टि की थी। रिपोर्ट के मुताबिक मृतक सीतामऊ थाना क्षेत्र के मंदसौर के निवासी थे। वे इंदौर से मंदसौर जा रहे थे। पुलिस ने बताया था कि पिकअप में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी। वहीं, कार में सवार चार में से तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई थी और एक घायल व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बदनावर पुलिस थाना प्रभारी ने बताया था कि टैंकर गलत दिशा में जा रहा था। उसने पहले एक पिकअप वाहन को टक्कर मारी और फिर उसके पीछे आ रही कार को टक्कर मारी।

दुनिया में सबसे पहले दक्षिणी गोलार्ध के देशों में शुरू होती है गर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी का मौसम हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है जो हमें अनगिनत रंग और विविधता की विभिन्नताओं में ले जाता है। गर्मी और सर्दी का मौसम इस समझ को और गहरा बनाता है, कि कैसे पृथ्वी के झुकाव ने हमारे जीवन का अनुसरण जानम, यह दो प्राकृतिक शक्तियों के साथ हमारी मित्रता की कहानी है। जब पृथ्वी का दक्षिणी गोलार्ध सूर्य की ओर झुका होता है, तो इसका प्रतिक्रियात्मक परिणाम होता है गर्मी का मौसम। दुनिया में सबसे पहले गर्मी का मौसम दक्षिणी गोलार्ध के देशों में शुरू होता है। ये देश हैं ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, चिली, अर्जेंटीना, और जाम्बिया। यहां पर गर्मी का मौसम 21 दिसंबर से शुरू होता है और 20 मार्च तक चलता है। जब दक्षिणी गोलार्ध में गर्मी होती है, तो उत्तरी गोलार्ध में सर्दी का मौसम रहता है। जैसे ही दक्षिणी गोलार्ध में सर्दी का मौसम शुरू होता है, उत्तरी गोलार्ध में गर्मी का मौसम शुरू हो जाता है, जो 21 जून से लेकर 21 सितंबर तक रहता है। भारत उत्तरी गोलार्ध में स्थित है, इसलिए यहां पर गर्मी का मौसम मार्च से लेकर जून तक होता है। इस समय के दौरान भारत में सबसे ज्यादा गर्मी पड़ती है।

सुशांत मामले में सीबीआई ने रिया और उनके परिवार को दी क्लीनचिट, क्लोजर रिपोर्ट फाइल की

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में सीबीआई ने रिया और उनके परिजनों को क्लीन चिट देते हुए मुंबई कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट फाइल कर दी है। सुशांत के पिता ने रिया चक्रवर्ती के ऊपर जो आरोप लगाए थे और रिया ने सुशांत के परिवार पर जो आरोप लगाए थे, दोनों केस में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की गई है। सीबीआई ने 2020 अगस्त में सुशांत केस टेकओवर करके जांच शुरू की थी। 4 साल की जांच के बाद सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट और सूत्रों के मुताबिक, रिया और उनके परिवार को क्लीन चिट दी गई है। सीबीआई को कोई ऐसा सबूत नहीं मिला, जिससे साबित हो सके कि किसी ने सुशांत को सुसाइड के लिए फोर्स किया था। सुशांत की मौत 2020 में हुई थी। करीब 4 साल 4 महीने के बाद सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट फाइल की गई। सीबीआई ने रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार को क्लीन चिट दे दी है। सीबीआई की जांच के मुताबिक, सुशांत सिंह राजपूत की मौत का कोई जिम्मेदार नहीं है। सुशांत सिंह राजपूत के परिवार के पास विकल्प है कि वे 'प्रोटेस्ट पेटिशन' मुंबई कोर्ट में दाखिल कर सकते हैं। सीबीआई ने एम्स के एक्सपर्ट से सुशांत के सुसाइड केस की जांच करवाई थी। सुशांत सुसाइड केस में एम्स फॉरेंसिक टीम ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया था। जांच से पता चला था चैट्स में कोई छेड़छाड़ नहीं की गई थी। रिया चक्रवर्ती सुशांत की पूर्व गर्लफ्रेंड रही है और खुद सुशांत सुसाइड केस में गृहमंत्री अमित शाह से जांच की मांग कर चुकी है।

हमें बिखरा हुआ नहीं, बल्कि एकजुट दिखना चाहिए... कपिल सिब्बल ने इंडिया ब्लॉक को दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को विपक्षी गठबंधन 'भारत' को एक खास सलाह दी। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को सार्वजनिक रूप से 'एकजुट' दिखने की कोशिश करनी चाहिए। इसके साथ ही सिब्बल ने विपक्षी गठबंधन के लिए एक औपचारिक ढांचे की वकालत की जिसमें प्रवक्ता होने चाहिए जो गठबंधन के विचारों को सामने रख सकें।

सिब्बल ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' में शामिल दलों को भविष्य के लिए एक सुसंगत नीति, वैचारिक ढांचे और कार्यक्रम की आवश्यकता है। हाल में राज्य विधानसभा चुनावों में 'इंडिया' के सहयोगी दलों के बीच हुई तकरार के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा, 'मेरा मानना है कि इसे (इंडिया) एकजुट दिखना चाहिए, न कि बिखरा हुआ जैसा कि यह आम तौर पर दिखाई देता है।' उन्होंने कहा, 'इन्हें (इंडिया में शामिल दलों को) एक सुसंगत नीति, एक सुसंगत वैचारिक ढांचा और भविष्य के लिए एक सुसंगत कार्यक्रम की आवश्यकता है।'

राज्यसभा सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'मैं राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर की बात नहीं कर रहा हूं। राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सोचने के तरीके में

एकरूपता होनी चाहिए और जब तक वह तंत्र स्थापित नहीं हो जाता और जब तक गठबंधन के प्रवक्ता नहीं होंगे जो इसके विचारों को सामने रख सकें, मुझे नहीं लगता कि यह बहुत प्रभावी ढंग से आगे बढ़ सकता है।'

यह पूछे जाने पर कि क्या 'इंडिया' गठबंधन के लिए एक औपचारिक राजनीतिक ढांचा होना चाहिए, सिब्बल ने कहा कि वह लंबे समय से यह बात कहते आ रहे हैं। सिब्बल ने हालांकि विपक्षी गठबंधन के भविष्य को लेकर भरोसा जताया। केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों ने 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) का गठन लोकसभा चुनाव से पूर्व किया था। मौजूदा बजट सत्र के दौरान पेश किए जा सकने वाले वक्फ (संशोधन) विधेयक और विपक्ष के पास मौजूद विकल्पों के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा कि यह देखना होगा कि राजग गठबंधन के सहयोगी इस मामले में क्या करते हैं क्योंकि भाजपा के पास बहुमत नहीं है। उन्होंने कहा, 'देखते हैं कि उनका रुख क्या है। बिहार में चुनाव होने वाले हैं। मुझे लगता है कि अगर वे विधेयक पेश करते हैं तो उन्हें इस बात की चिंता हो सकती है कि इसका बिहार में चुनाव पर क्या असर पड़ेगा।'

सिब्बल ने कहा, 'इसलिए मुझे नहीं पता कि इसका क्या नतीजा होगा। इसलिए हमें इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए। यदि विधेयक पारित हो जाता है तो निश्चित रूप से इसे चुनौती देने के इच्छुक लोगों के पास विकल्प मौजूद हैं।' विवादित परिसीमन मुद्दे पर सिब्बल ने कहा कि देश की राजनीति के लिए इसके बहुत गंभीर निहितार्थ हैं, इसीलिए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बैठक बुलाई और कांग्रेस सहित कई दलों के नेताओं ने इसमें भाग लिया।

ओडिशा में ओले गिरने से 2 की मौत, 17 राज्यों में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। ओडिशा में पिछले 24 घंटों में आंधी, बारिश और बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 67 लोग घायल हो गए और 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में देश के 17 राज्यों में बारिश की संभावना जताई है, जिसमें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल और नॉर्थ ईस्ट के राज्य शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार, ओडिशा के जगतसिंहपुर, कटक, ढेंकनाल, अंगुल, देवगढ़ और सुंदरगढ़ जिलों में तेज हवाओं के साथ बिजली गिरने और ओले पड़ने की आशंका है। वहीं, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, केंद्रपाड़ा, मयूरभंज और क्योंझर जिलों में भारी बारिश (7 से 11 सेमी) और आंधी की चेतावनी जारी की गई है।

राजस्थान में 25 मार्च से बदल जाएगा मौसम

राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और उत्तरी हवा चलने से तापमान सामान्य बना हुआ है। शुक्रवार को प्रदेशभर में गर्मी से राहत मिली और सभी शहरों में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, 25 मार्च से पश्चिमी हवा का प्रभाव बढ़ेगा, जिससे तापमान में वृद्धि होगी और गर्मी तेज होने लगेगी।

मध्यप्रदेश में अब बढ़ जाएगा तापमान

मध्यप्रदेश में रविवार से बारिश और ओले गिरने का सिलसिला थमने की संभावना है। अगले तीन दिनों में तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, 25-26 मार्च से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा, जो प्रदेश के मौसम को प्रभावित करेगा।

लद्दाख में चीन के अवैध निर्माण पर भारत सख्त, कूटनीतिक विरोध दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने संसद में जानकारी दी कि चीन ने लद्दाख से सटे इलाके में दो नए कस्बे (काउंटी) बसाए हैं। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा कि भारत चीन के अवैध कब्जे को स्वीकार नहीं करता और इस मुद्दे पर कड़ा कूटनीतिक विरोध जताया गया है।

गौरतलब है कि चीन ने पिछले साल दिसंबर में होटान प्रांत में दो नई काउंटी, हेआन और हेकांग, बनाने की घोषणा की थी। भारत ने इस पर तत्काल आपत्ति जताई थी, क्योंकि इन इलाकों का कुछ हिस्सा लद्दाख का अभिन्न अंग है।

भारत सरकार ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि चीन का यह दावा पूरी तरह अवैध है और इससे भारत की स्थिति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। विदेश मंत्रालय के अनुसार, भारत ने चीन की इस हरकत पर औपचारिक आपत्ति जताई है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसे उठाने की रणनीति बनाई जा रही है। इससे पहले भी चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर एक बड़ा बांध बनाने की योजना की घोषणा की थी, जिस पर भारत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

सीमा क्षेत्र में भारत का इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास जारी

भारत सरकार सीमा से सटे इलाकों में बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। सड़क, पुल और हवाई पट्टी का निर्माण तेज किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना और रणनीतिक मजबूती बढ़ाना है। भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि चीन की यह गतिविधियां न तो मान्य हैं और न ही इनका कोई असर भारत की स्थिति पर पड़ेगा।

क्या है चीन की काउंटी प्रणाली?

चीन में काउंटी एक प्रशासनिक इकाई होती है, जिसे श्येन कहा जाता है। यह भारत की नगरपालिका के समान होती है, जिसमें शहरी और ग्रामीण क्षेत्र दोनों शामिल हो सकते हैं।

बिहार में कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने खड़गे और राहुल 25 को करेंगे अहम बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने हिंदी बेल्ट के दो प्रमुख राज्यों, उत्तर प्रदेश और बिहार, में अपनी पकड़ मजबूत बनाने के लिए खास कदम उठाए हैं। हालांकि, इन दोनों राज्यों में पार्टी फिलहाल क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में है, लेकिन वह अपनी जमीनी मौजूदगी और संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है। खासकर बिहार में, जहां कांग्रेस लंबे समय से राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ गठबंधन में रही है, वहां पार्टी अपनी स्वतंत्र पहचान को भी मजबूत करना चाहती है।

लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को बिहार में तीन और उत्तर प्रदेश में छह सीटें मिली थीं। इन सीटों ने पार्टी में नई उम्मीद जगाई है। इसी कारण कांग्रेस नेतृत्व बिहार पर विशेष ध्यान दे रहा है। हाल ही में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दो बार बिहार का दौरा किया है और अब 25 मार्च को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी बिहार कांग्रेस को लेकर एक अहम बैठक करने जा रहे हैं। इस बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों और संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा होगी।

बिहार कांग्रेस में नए चेहरे और नेतृत्व परिवर्तन

बिहार में कांग्रेस संगठन को नया स्वरूप देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। राहुल गांधी ने अपने करीबी और युवा नेता कृष्णा अलावरू को बिहार कांग्रेस का प्रभारी नियुक्त किया है। इसके अलावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर भी बदलाव किया गया है। भूमिहार नेता अखिलेश प्रसाद सिंह की जगह दलित नेता राजेश कुमार को बिहार कांग्रेस का नया अध्यक्ष बनाया गया है।

राहुल गांधी देशभर में जातिगत जनगणना को लेकर अभियान चला रहे हैं, और बिहार कांग्रेस की कमान दलित नेता को सौंपने को इसी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे कांग्रेस समाज के एक बड़े वर्ग को साधने का प्रयास कर रही है।

युवा नेतृत्व और कन्हैया कुमार की भूमिका

कांग्रेस ने बिहार में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए युवा नेताओं को आगे बढ़ाने की योजना बनाई है। खासतौर पर कन्हैया कुमार को अहम जिम्मेदारी दी गई है। कन्हैया बिहार में 'पलायन रोको, रोजगार दो' अभियान के तहत पदयात्रा कर रहे हैं, जिसे जनता से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। कन्हैया कुमार को प्रदेश कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई का प्रभारी भी बनाया गया है। हालांकि, उनके बढ़ते कद से पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता असहज महसूस कर रहे हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने शुरू में कन्हैया की भूमिका को लेकर असहमति जताई थी, लेकिन उन्हें अंततः पार्टी के फैसले को स्वीकार करना पड़ा।

पप्पू यादव को अहम जिम्मेदारी मिलने के संकेत

बिहार में कांग्रेस अपनी स्वतंत्र स्थिति को मजबूत करने के लिए पप्पू यादव को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंप सकती है। पप्पू यादव की आरजेडी के साथ पुरानी राजनीतिक खींचतान रही है, और कांग्रेस इस समीकरण को अपने पक्ष में इस्तेमाल करने की योजना बना रही है।

आरजेडी के साथ गठबंधन और भविष्य की रणनीति

फिलहाल कांग्रेस बिहार में आरजेडी के साथ गठबंधन में बनी हुई है, लेकिन पार्टी अपनी मजबूत जमीनी पकड़ के आधार पर आगामी चुनावों में सम्मानजनक सीट बंटवारे की उम्मीद कर रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस के इस नए प्रयोग से बिहार में उसकी स्थिति मजबूत हो सकती है।

मैं भी बनना चाहता हूं सीएम, तीन महीने में खत्म कर दूंगा भ्रष्टाचार

-पूर्णिया सांसद ने नीतीश को खलनायक बताने पर आरजेडी पर हमला बोला

पटना (एजेंसी)। बिहार के सीएम नीतीश कुमार को राजद द्वारा खलनायक बताए जाने पर आरजेडी और कांग्रेस के बीच का मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने तेजस्वी यादव पर हमला बोला है। यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि नीतीश कुमार के साथ दो-दो बार सरकार में थे और अभी गठबंधन टूटे हुए एक साल भी नहीं हुआ है। उस दौरान सदन में महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक बयान दिया गया था, तब इन लोगों ने चुप्पी साध ली थी। तब पीएम मोदी ने भी आपत्ति जताई थी।

पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि आरजेडी का यह कृत शर्मनाक है। राजनीति में मर्यादा बरकरार रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने जिससे सदन में राजनीति सीखी उसके खिलाफ ऐसे पोस्टर नहीं लगाने चाहिए। पप्पू यादव ने लालू प्रसाद यादव की बीमारी का हवाला देते हुए कहा कि वह भी कई मुद्दों पर बहक जाते हैं इसका मतलब उन्हें लेकर भी राजनीति की जाए?

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि मुद्दों की राजनीति होनी चाहिए न कि इस तरह की शर्मनाक राजनीति होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिला,

विशेष पैकेज नहीं दिया गया, पलायन नहीं रुका इन सब मुद्दों को क्यों नहीं उठाया जा रहा है। बता दें शनिवार को पटना आरजेडी कार्यालय के बाहर सीएम नीतीश कुमार का पोस्टर लगाया गया था जिसमें लिखा था में हूं खलनायक जिसको लेकर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने आरजेडी पर हमला बालो है।

वही जब पप्पू यादव से पूछा गया कि क्या तेजस्वी यादव को इंडी गठबंधन में सीएम उम्मीदवार के रूप आप पसंद करेंगे तो इस पर उन्होंने दो टूक जवाब दिया कि उन्हें (पप्पू) को भी सीएम बनने का शौक है, लेकिन कांग्रेस को दरकिनार करके कोई सीएम नहीं बन सकता है। उन्होंने आगे कहा कि अगर वह मुख्यमंत्री बनते हैं तो वे तीन महीने के अंदर भ्रष्टाचार को समाप्त करेंगे, किसी भी कीमत पर दंगा नहीं होने देंगे और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक नहीं होने देंगे। उन्होंने लालू यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि खुद को किंग मेकर कहने वाले लोग जब यह कहते है कि हमने देवगौड़ा और गुजराल को पीएम बनाया तो उस वक्त 65 फीसदी आरक्षण क्यों नहीं लिया, निजी क्षेत्र में आरक्षण क्यों नहीं लागू करवा पाए।

दिल्ली पुलिस का खुलासा: बांगलादेशियों की भारत में गतिविधियों पर नजर

- बांग्लादेशी नागरिक भारतीय दस्तावेज हासिल कर कई तरह के रोजगार में शामिल हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुलिस ने हाल ही में 18 बांग्लादेशी रिमोट नेटवर्क के सदस्यों को दबोचा है, जिनका आरोप है कि वे भारत में खिलवाड़ कर रहे हैं। यह गिरफ्तारी कार्रवाई दिल्ली से लेकर बांग्लादेशी सीमा तक कई राज्यों में तहकीकात करा रही है। बांग्लादेशी नागरिकों की भारतीय पहचान के खिलाफ धारा 420, 467, और 468 के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने 18 बांग्लादेशियों की गिरफ्तारी के बाद दावा किया है कि बांग्लादेशियों की मदद करने वाले भारतीय नेटवर्क के लिए बड़ी समस्या बनने वाली है। पुलिस की टीमें बांग्लादेशी बॉर्डर से लेकर तमाम राज्यों में फैले बांग्लादेशी नेटवर्क का पता लगाने में जुट गई हैं। कई भारतीय विदेशी करेंसी एजेंट भी पुलिस के निशाने पर हैं। पुलिस की जांच में सामने आया कि बांग्लादेशी नागरिक भारतीय दस्तावेज हासिल कर अस्पताल, कैब ड्राइवर से लेकर अन्य कई तरह के रोजगार में शामिल हैं। एक बांग्लादेशी नागरिक तो भारतीय पासपोर्ट पर 22 बार विदेश यात्रा भी कर चुका था। साउथ डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वॉयड (एएटीएस) ने बांग्लादेशी नेटवर्क को पकड़ा तो खुलासा हुआ कि बड़े पैमाने पर इन्हें न सिर्फ भारतीय संरक्षण हासिल है बल्कि उनके द्वारा कमाए गए रुपये को उनके परिजनों तक बांग्लादेश भेजने के लिए विदेशी करेंसी एजेंट से लेकर निजामुद्दीन दरगाह का एक कर्मचारी भी सक्रिय है। एनसीआर में हाल में पकड़े गए बांग्लादेशी नेटवर्क को भी पुलिस ध्यान में रखकर अपनी जांच आगे बढ़ा रही है। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने सबसे पहले आरोपी ज्वेल इस्लाम नामक एक बांग्लादेशी को दबोचा जिसके पास भारतीय आधार कार्ड था। जांच में पता चला कि वह 2021 में भारत आया और कुछ दिन रहने के बाद फिर से वापस लौट गया। उसके बाद 2023 में वह दोबारा भारत आया। पूछताछ में ज्वेल इस्लाम ने खुलासा किया कि उसका भाई आलमगीर 2007 में भारत आया था। यहां उसने भारतीय महिला से शादी की और अपने बच्चों का सरकारी स्कूल में एडमिशन कराया। इस आधार पर उसके भाई को दबोचा गया। इसके बाद पुलिस ने क्लीनर का काम करने वाले मो. लतीफ खान और उसके भाई मो. नदीम को दबोचा। इसी क्रम में डिफेंस कॉलोनी स्थित एक अस्पताल में काम करने वाले रबीउल के साथ कोटला मुबारकपुर में कबाड़ी का काम करने वाले मो. मिजानुर रहमान को पकड़ा गया। कैब ड्राइवर का काम करने वाले मो. रेजाउल को भी पुलिस टीम ने दबोचा। वह भारतीय महिला से शादी कर भारतीय पासपोर्ट पर 22 बार बांग्लादेश जा चुका था। कमरुज्जमां नामक बांग्लादेशी जोमैटो में डिलिवरी बॉय का काम कर रहा था। डीसीपी के अनुसार, बांग्लादेशी नागरिकों को शरण देने, उनके पहचान संबंधी फर्जी दस्तावेज तैयार करने और हवाला के जरिए रुपये बांग्लादेश भेजने के आरोप में 8 भारतीय नागरिकों को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में भी बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान भी होने की उम्मीद है।

चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर पानी और बर्फ की खोज की दिशा में बढ़ाया कदम

-चंद्रमा पर इंसानों के जीवन की संभावना की उम्मीद जगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा पर पानी और बर्फ की खोज की दिशा में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। चंद्रमा की सतह तापीय भौतिकी प्रयोग से पानी और बर्फ की खोज में एक कदम बढ़ा दिया है। विक्रम लैंडर द्वारा किए गए इस प्रयोग ने चांद की उच्च अक्षांश वाली मिट्टी से असाधारण इन-सीटू तापमान माप प्रदान किए हैं, जिससे चांद के तापीय वातावरण के साथ पानी और बर्फ के जमा होने की संभावना जागी है।

इसरो के भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला के दुर्गा प्रसाद ने मीडिया को बताया कि पानी और बर्फ का पता लगाना चंद्रमा पर इंसानों के जीवन की संभावना और आगे बढ़ाने का एक अहम कदम है। चांद के तापमान न केवल पानी और बर्फ को निर्धारित करते हैं, बल्कि यह अन्य वैज्ञानिक और अन्वेषण पहलुओं को भी प्रभावित करते हैं।।

चंद्रयान-3 मिशन से नई जानकारी को एक पत्रिका में प्रकाशित भी किया गया है। चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में तापमान मापे हैं जो कि अपेक्षित 330के से 25के ज्यादा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह वृद्धि लैंडर के सूरज की ओर झुके 6 डिग्री के स्थानीय ढलान पर स्थित होने के कारण बनी है। अवलोकनों के आधार पर टीम का कहना है कि 14 डिग्री से ज्यादा ढलान वाले बड़े पोलर क्षेत्रों में पानी और बर्फ के स्थिर जमा होने की संभावना है। ये क्षेत्र कम सौर विकिरण प्राप्त करते हैं और इसलिए तापमान कम बनाए रखते हैं, जिससे वे भविष्य के चांदी अन्वेषण और संभावित मानव जीवन के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं।

चांद पर पानी की खोज और इसके संभावित उपयोग के लिए कई देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां नजरें गड़ाए हुए हैं। चंद्रयान-3 से प्राप्त परिणाम भविष्य के चांद मिशनों और स्थायी मानव जीवन की संभावनाओं को आकार देने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पोप फ्रांसिस को अस्पताल से मिली छुट्टी, लोगों को दिया आशीर्वाद

वेटिकन सिटी। कैथोलिक ईसाई धर्म के सबसे बड़े नेता पोप फ्रांसिस को रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि पोप (88) के दोनों फेफड़ों में निमोनिया के गंभीर संक्रमण की वजह से वह 38 दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। अस्पताल के निदेशक ने कहा कि पोप फ्रांसिस को वेटिकन में कम से कम दो महीने पूरी तरह से आराम करने की सलाह दी है। पोप फ्रांसिस को ब्रोंकाइटिस की समस्या बढ़ने के बाद 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती किया था। बाद में उन्हें निमोनिया का गंभीर संक्रमण हो गया था। फ्रांसिस ने छह मार्च को एक ऑडियो संदेश जारी किया था और वेटिकन ने 16 मार्च को उनकी एक तस्वीर साझा की थी। 14 फरवरी को अस्पताल में भर्ती होने के बाद पोप पहली बार आशीर्वाद कार्यक्रम में श्रद्धालुओं के सामने आएंगे।

भारतीय मूल की महिला ने डिज्नीलैंड में अपने ही बेटे का गला रेतकर मार डाला

कैलिफोर्निया। भारतीय मूल की एक महिला पर 'डिज्नीलैंड' में तीन दिन छुट्टियां मनाने के बाद अपने 11 साल के बेटे की गला रेतकर हत्या करने का आरोप है। आरोपी सरिता रामाराजू 2018 में अपने पति से तलाक लेने के बाद कैलिफोर्निया से चली गई थी। तलाक के बाद सरिता के बेटे का संरक्षण उसके पास नहीं था लेकिन उसे अपने बेटे से मिलने की अनुमति थी। घटना से पहले सरिता अपने बेटे के साथ सांता एना के एक मोटल में ठहरी थी। उसने अपने और अपने बेटे के लिए डिज्नीलैंड के तीन दिवसीय पास खरीदे थे।सरिता को 19 मार्च को जिस दिन मोटल से जाना था और अपने बेटे को उसके पिता को सौंपना था, उसने उसी दिन सुबह नौ बजकर 12 मिनट पर पुलिस को फोन करके बताया कि उसने अपने बेटे की हत्या कर दी है और आत्महत्या करने के लिए गोलियां खा ली हैं। सांता एना पुलिस जब मोटल पहुंची तो उसने देखा कि बच्चा डिज्नीलैंड की यादगार वस्तुओं के बीच एक कमरे में बिस्तर पर मृत पड़ा था। पुलिस के बयान में कहा गया कि ऐसा प्रतीत होता है कि लड़के की कई घंटों पहले ही हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने बताया कि मोटल के कमरे के अंदर एक बड़ा चाकू मिला जिसे एक दिन पहले खरीदा गया था। अज्ञात पदार्थ के सेवन के बाद सरिता को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसे बृहस्पतिवार को छुट्टी दे दी गई। उसे अपने बेटे की हत्या करने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया गया।हालांकि बयान में मृत लड़के का नाम नहीं बताया गया एक रिपोर्ट में उसकी पहचान यतिन रामाराजू के रूप में की गई। सरिता और उसके पति प्रकाश राजू के बीच अपने बेटे के संरक्षण के अधिकार को लेकर पिछले साल से कानूनी लड़ाई चल रही थी। बच्चे के संरक्षण का अधिकार उसके पिता प्रकाश को सौंपा गया था।

इजराइली हमले में हमास के पॉलिटिकल लीडर और उनकी पत्नी की मौत

तेल अवीव। इजराइल के हवाई हमले में हमास के टॉप पॉलीटिकल लीडर सलाह अल-बर्दावील और उनकी पत्नी की मौत हो गई है। हमास ने रविवार सुबह उनकी मौत की पुष्टि की है। हमला दक्षिणी गाजा के खान युनिस शहर में हुआ था। दूसरी तरफ इजराइल ने शनिवार रात लेबनान में कई जगहों पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 7 लोगों की मौत हुई है। इजराइल ने यह हमला लेबनान से दागे गए रॉकेट के जवाब में किया। पिछले 4 महीने से हिजबुल्लाह के साथ जारी सीजफायर के बाद इजराइल का यह पहला बड़ा हमला था। हिजबुल्लाह ने दावा कि उसने इजराइल पर रॉकेट नहीं दागे और सीजफायर का पालन कर रहा है। इजराइली सेना ने बताया कि लेबनान बॉर्डर के पास मेटुला शहर से 6 रॉकेट दागे गए थे। इनमें से तीन इजराइल में दाखिल हुए, जिन्हें हवा में ही मार गिराया। आईडीएफ के मुताबिक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर और दर्जनों रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया है।

वर्जीनिया में भारतीय मूल के पिता-पुत्री की हत्या, संदेही गिरफ्तार

वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य वर्जीनिया से खबर है कि वहां एक स्टोर में काम कर रहे भारतीय मूल के पिता और उनकी पुत्री को गोली मारकर हलाक कर दिया गया। इस घटना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक संदेही व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। जानकारी अनुसार वर्जीनिया के एक स्टोर में हुई शूटिंग के दौरान एक भारतीय मूल के पिता और उनकी पुत्री की मौत हो गई। हादसा 20 मार्च को एकोमैक काउंटी में लैंकफोर्ड हाईवे पर बने स्टोर पर होना बताया गया है। हादसे के दौरान प्रदीप कुमार पटेल (56 वर्ष) और उनकी 24 साल की पुत्री इस स्टोर में काम कर रहे थे। शूटिंग कर हत्या करने के मामले में पुलिस ने एक संदेही को गिरफ्तार कर लिया है और पूछताछ कर रही है। एकोमैक काउंटी के शेरिफ ऑफिस ने घटना को लेकर जानकारी दी है कि इस हत्या के पीछे का असल मकसद फिलहाल साफ नहीं हो सका है।

पाकिस्तान में तख्तापलट? डर्टी गेम शहबाज संग खेल रहे आर्मी चीफ मुनीर!

इस्लामाबद (एजेंसी)। पाकिस्तान में बीएलए यानी बलूचिस्तान लिब्रेशन आर्मी ने सरकार और सेना दोनों की बैंड बजा रखी है। आर्मी चीफ मुनीर हों या प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सबकी बीएलए ने नींद उड़ा रखी है। पाकिस्तान में सुरक्षा ताक पर है। पाकिस्तान में तख्तापलट की आहट सुनाई देने लगी है। बीएलए की वजह से पाकिस्तान की आर्मी और शहबाज सरकार आमने-सामने है। जनरल असीम मुनीर अब पाकिस्तान में आय दिन हो रही घटनाओं के पीछे सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वह हालिया घटनाओं को लेकर शहबाज शरीफ को घेर रहे हैं। पाकिस्तान जिस आतंकवाद की आग में जल रहा है, उससे उठ रहा धुआं तो पाकिस्तान में तख्तापलट की ओर ही इशारा कर रहा है। इसका सबूत खुद आर्मी चीफ मुनीर देते नजर आ रहे हैं। वह बीएलए के बहाने शहबाज शरीफ पर निशाना साध रहे हैं

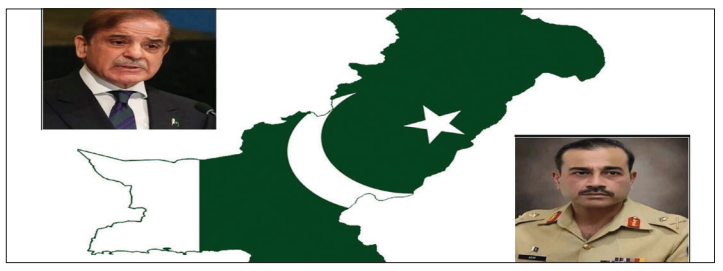

और उनकी रकार को कमजोर शासन बता रहे हैं।

पाकिस्तान के चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल असीम मुनीर ने हालिया घटनाओं को लेकर शहबाज शरीफ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने पाकिस्तान में सुरक्षा की गिरावट के लिए राजनेताओं को दोषी ठहराया। संयुक्त संसदीय समिति को सुरक्षा ब्रीफिंग में उन्होंने साफ-साफ कहा कि उग्रवाद से लड़ने के लिए बेहतर प्रशासन की जरूरत है और पाकिस्तान को एक कठोर राज्य बनाने पर जोर दिया है। उन्होंने सवाल किया कि पाकिस्तान कब तक कमजोर शासन के कारण लोगों की जान कुर्बान करता रहेगा। मुनीर की यह बात इस बात का इशारा करती है कि उनकी नजर में शहबाज शरीफ सरकार बेहतर नहीं है और वह कमजोर है।अब सवाल है कि आखिर पाकिस्तान की आवाम को मुनीर यह क्या संदेश दे रहे हैं? यही न कि शहबाज से देश संभल नहीं रहा। उग्रवाद और आतंरिक आतंकवाद से लड़ने में उनकी सरकार सक्षम नहीं है। पाकिस्तान को मजबूत नेतृत्व की जरूरत है।

सेना ही पाकिस्तान को कठोर राज्य बना पाएगी। दरअसल, बलूचों को मोहरा बनाकर आर्मी चीफ मुनीर पाकिस्तान में तख्तापलट की पटकथा लिख रहे हैं। पाकिस्तान में भारत की तरह ही लोकतंत्र का शासन है। लोकतंत्र में सरकार अपना काम करती है। पाकिस्तानी आर्मी का काम है देश की सुरक्षा करना। अपने काम पर फोकस करने के बजाय मुनीर अब सरकार को ज्ञान और नसीहत दे रहे हैं। ऐसे में उनकी मंशा पर क्यों न सवाल उठे। ऐसा लग रहा है कि वह वही गंदा खेल खेलने में जुट गए हैं, जो कभी दशकों पहले परवेज मुशर्रफ ने शहबाज शरीफ के भाई नवाज शरीफ के साथ खेला था।

बलूचिस्तान आंदोलन का चेहरा बनी महरंग बलूच गिरफ्तारी के बाद लापता

क्वेटा। पाकिस्तान सेना के आदेश पर बलूचिस्तान आंदोलन का चेहरा बन गई महरंग बलूच को क्वेटा पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया है और गिरफ्तारी के बाद से वो गायब हैं। उनकी कोई जानकारी नहीं मिल रही है। बलूच यकजेहती समिति (बीवायसी) की नेता महरंग बलूच बलूचिस्तान में पाकिस्तान सरकार के दमन के खिलाफ होने वाले विरोध प्रदर्शनों की आवाज हैं। उन्हें उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वो बलूच समुदाय के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के खिलाफ धरना प्रदर्शन में हिस्सा ले रही थीं। महरंग उस वक्त सुर्खियों में आई थीं जब बलूचिस्तान में बलूचों की होने वाली हत्याएं और उन्हें गायब किए जाने के खिलाफ दिसंबर 2023 में उन्होंने प्रदर्शन किया था। उस दौरान उन्होंने लॉन्ग मार्च निकाला था, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए थे। महरंग बलूच ने अपने प्रदर्शन के दौरान बलूचिस्तान के तुर्बत से इस्लामाबाद तक 1600 किलोमीटर तक का मार्च निकाला था, जिसमें हजारों बलूच महिलाओं और बलूच के लोगों ने हिस्सा लिया था। वह पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तानी सरकार के क्रूर शासन के खिलाफ विरोध कर रही थीं। लेकिन अब सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या महरंग बलूच वापस लौट पाएंगी। क्योंकि पाकिस्तानी सेना हजारों बलूचों को ऐसी ही गिरफ्तार करने के बाद गायब कर चुकी है।

ट्रंप के फरमान अमेरिका को बना रहे वीरान, 5.32 लाख हुए बेघर?

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा फैसले में अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने कहा है कि वह क्यूबा, हैती, निकारागुआ और वेनेजुएला के लाखों लोगों से कानूनी सुरक्षा छीन लेगा। इससे करीब 5,32,000 लोग प्रभावित होंगे और उन्हें एक महीने में देश छोड़ना पड़ सकता है। यह फैसला उन लोगों पर लागू होगा जो अक्टूबर 2022 के बाद अमेरिका आए थे। ये लोग वित्तीय सहायकों के साथ आए थे और उन्हें अमेरिका में दो साल तक रहने और काम करने की अनुमति मिली थी। होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने कहा कि इन लोगों का कानूनी दर्जा 24 अप्रैल को खत्म हो जाएगा। या फिर फेडरल रजिस्टर में यह नोटिस छपने के 30 दिन बाद इनको देश छोड़ना पड़ेगा।

यह नई नीति उन लोगों पर असर डालेगी जो पहले से अमेरिका में हैं और ह्यूमैनिटेरियन पैरोल प्रोग्राम के तहत आए थे। यह प्रोग्राम पहले ट्रंप प्रशासन ने खत्म किया

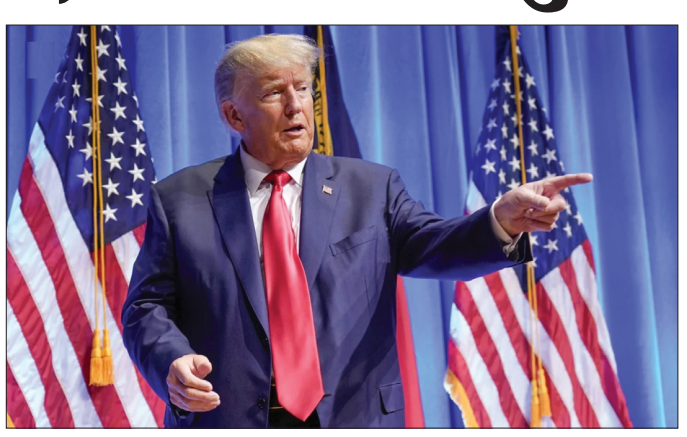

था, क्योंकि उनका मानना था कि इसका 'गलत इस्तेमाल' हो रहा था। यह कानूनी तरीका लंबे समय से उन लोगों को अस्थायी रूप से अमेरिका में रहने की इजाजत देता था, जिनके देशों में युद्ध या राजनीतिक अस्थिरता थी। अपने चुनाव अभियान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि वह अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे लाखों लोगों को देश से निकालेंगे। राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने आप्रवासियों के लिए कानूनी रास्ते भी बंद करने शुरू कर दिए हैं। इस नए आदेश से पहले, इस प्रोग्राम के लाभार्थी अपने पैरोल की अवधि तक अमेरिका में रह सकते थे। लेकिन प्रशासन ने उनके शरण, वीजा या अन्य अनुरोधों को प्रोसेस करना बंद कर दिया था, जिससे वे लंबे समय तक रह सकें।

इस फैसले को पहले ही संघीय अदालतों में चुनौती दी जा चुकी है। कुछ अमेरिकी नागरिकों और आप्रवासियों के समूह ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। वे ह्यूमैनिटेरियन पैरोल को फिर से शुरू करने की मांग कर रहे हैं। बाइडन प्रशासन ने इन चार देशों से हर महीने 30,000 लोगों को दो साल के लिए अमेरिका आने की अनुमति दी थी, साथ में काम करने का अधिकार भी दिया था। उसने मेक्सिको को भी इन देशों से इतने ही लोगों को वापस लेने के लिए मनाया था, क्योंकि अमेरिका इन्हें उनके देशों में वापस नहीं भेज सकता था। क्यूबा हर महीने लगभग एक डिपोर्टेशन फ्लाइट स्वीकार करता था, जबकि वेनेजुएला और निकारागुआ ने किसी को भी वापस लेने से इनकार कर दिया। ये तीनों देश अमेरिका के विरोधी हैं

ग्रीनलैंड को ट्रंप की धमकी का मिला फायदा, पर्यटकों की संख्या में हुआ इजाफा

वाशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े द्वीप ग्रीनलैंड ने इस साल लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे संयुक्त राज्य अमेरिका में मिलाने की बात कही थी। तब डेनमार्क से लेकर तमाम यूरोपीय देशों ने इसका विरोध किया था, लेकिन अब ट्रंप की धमकी ग्रीनलैंड के लिए फायदेमंद साबित होती दिख रही है। पिछले तीन महीनों में ग्रीनलैंड आने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। इतना ही नहीं जूनियर ट्रंप के यहां आने से कुछ समय पहले ही यहां की राजधानी नुउक में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन हुआ था, इससे पर्यटन में और भी ज्यादा तेजी आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्रीनलैंड में क्रूज का संचालन करने वाले नुडसेन-ओस्टरमैन ने कहा कि ट्रंप की धमकी के बाद से ग्रीनलैंड आने वाले पर्यटकों की संख्या में इजाफा हुआ है। बैंक ने भी पर्यटकों की ज्यादा संख्या के लिए अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए कहा है। ओस्टरमैन ने कहा कि अभी से हमें पहले की तुलना में काफी ज्यादा बुकिंग मिल रही है। बता दें जनवरी में ग्रीनलैंड उस वक्त दुनिया के ध्यान का केंद्र बन गया था जब डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर ट्रंप वहां पर पहुंचे थे। वहीं दूसरी और राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ग्रीनलैंड को संयुक्त राज्य अमेरिका में मिलाने की पहल तेज कर दी है। विशेषज्ञों के मुताबिक ट्रंप की नजर न केवल ग्रीनलैंड की जियोपॉलिटिकल लोकेशन बल्कि उच्च तकनीकि उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण दुर्लभ पृथ्वी खनिजों की विशाल संपदा पर भी है। दूसरी तरफ ग्रीनलैंड के लोगों के लिए भी यह एक बड़ा अवसर है। उन्हें उम्मीद है कि नए हवाई अड्डे और ट्रंप द्वारा उसके बारे में की गई बातों से वैश्विक लोगों का ध्यान उसकी तरफ आकर्षित होगा, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। वर्तमान में ग्रीनलैंड के निर्यात का 95 फीसदी मछली पकड़ने पर निर्भर है। पर्यटन के लिए ग्रीन लैंड की विशाल बर्फ की चादर लोगों के आकर्षण का केंद्र है।

लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर इजरायल ने किया एयरस्ट्राइक, 6 की मौत

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल ने शनिवार को लेबनान के विभिन्न स्थानों पर जबरदस्त तरीके से हवाई हमले किए हैं। लेबनान द्वारा किए गए रॉकेट हमले का प्रतिशोध में ये हमले किए गए हैं। इन हवाई हमलों में कम से कम 6 लोगों की मौत होने की सूचना है। दक्षिणी लेबनान के तौलीन गांव में हुए हमले में 5 लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। 10 लोगों के घायल होने की भी खबर है। इसके अलावा, तटीय शहर सिदोन में हुए एक अन्य हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग घायल हुए। सीरिया की सीमा के पास स्थित होश अल-सैयद अली गांव पर किए गए हमले में 5 लोग घायल हुए।

हिज़्बुल्लाह ने रॉकेट हमले की जिम्मेदारी से इनकार किया और कहा कि वह युद्धविराम का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने दक्षिणी क्षेत्र में सेना को सभी आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि लेबनान युद्ध की वापसी नहीं चाहता है। बता दें कि इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच 7 अक्टूबर को हुए हमास के हमले के बाद फिर से यह संघर्ष भड़क उठा था। इसके बाद से यह संघर्ष तीव्र हो गया और इजरायली हवाई हमलों में कई वरिष्ठ हिजबुल्लाह नेताओं की मौत हो गई।

लेबनान में 4,000 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि लगभग 60,000 इजरायलियों को विस्थापित होना पड़ा है।

इजरायली सेना ने बताया कि लेबनान ने सीमा के पास स्थित मेटुला नगर की ओर 6 रॉकेट दागे थे, जिनमें से 3 इजरायल की सीमा में घुस गए थे। हालांकि उन्हें इंटरसेप्ट कर लिया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने सेना को लेबनान के कई लक्ष्यों पर हमले करने का आदेश दिया है। ये हमले उन जगहों पर होने हैं जहां ईरान-समर्थित उग्रवादी समूह हिजबुल्लाह की मौजूदगी है।सेना ने यह भी कहा कि वह इस हमले में शामिल संगठन की पहचान की पुष्टि नहीं कर सकती, लेकिन उसने हिजबुल्लाह के कमांड सेंटर और रॉकेट लॉन्चर पर हमला किया है। आपको बता दें कि इन हमलों ने युद्धविराम की चर्चा को कमजोर कर दिया है। कुछ ही दिन पहले इजरायल ने गाजा में भी हमास के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू किया है।

युद्धविराम समझौते के तहत इजरायल को जनवरी अंत तक लेबनान से अपनी सेनाएं वापस बुलानी थीं, लेकिन इसे 18 फरवरी तक बढ़ा दिया गया। लेबनान ने संयुक्त राष्ट्र से इजरायल पर दबाव डालने की अपील की है कि वह वापसी की शर्तों को पूरा करे। संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल ने ताजा हिंसा पर चिंता जताई और सभी पक्षों से आगे की उन्नति को रोकने की अपील की। इन हमलों के बीच इजरायल का गाजा में सैन्य अभियान जारी है।

मेहुल चोकसी के भारत प्रत्यर्पण में फंसा पेंच, पत्नी ने दिलवाई बेल्जियम की नागरिकता

– अब स्वास्थ्य का बहाना कर भगोड़ा कारोबारी स्विट्जरलैंड जाने की बना रहा योजना

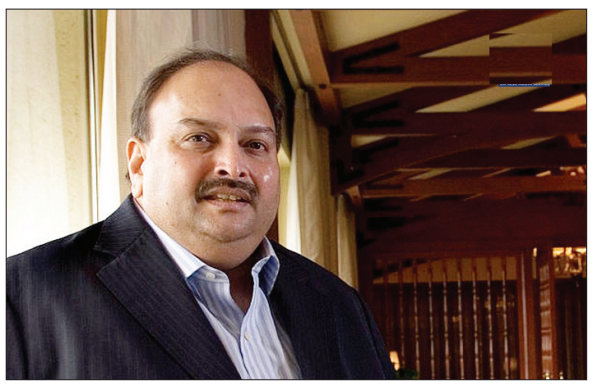

एंटवर्प सिटी (एजेंसी)। पीएनबी घोटाले में फरार और भारत से भगोड़ा घोषित कारोबारी मेहुल चोकसी बेल्जियम के एंटवर्प शहर में अपनी पत्नी के साथ शान से अपनी जिंदगी गुजार रहा है। यह शहर हीरा कारोबार के लिए दुनियाभर में मशहूर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेहुल चोकसी ने 15 नवंबर 2023 को बेल्जियम की 'एफ रेजिडेंसी कार्ड' हासिल कर ली है, जिससे उसकी भारत वापसी की कोशिशें अब और जटिल हो गई हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक मेहुल चोकसी की पत्नी प्रीति चोकसी बेल्जियम की नागरिक हैं, और उन्होंने ही उसे वहां की नागरिकता दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। मेहुल ने इस रेजिडेंसी को पाने के लिए गलत और फर्जी दस्तावेज जमा किए है, जिसमें झूठे दावे और फर्जी डिक्लेरेशन शामिल थे। इतना ही नहीं, उसने अपनी भारतीय और एंटीगुआ की नागरिकता को भी छुपाया। भारतीय एजेंसियों ने बेल्जियम सरकार से मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण की मांग की है। लेकिन नई बेल्जियम रेजिडेंसी के कारण यह प्रक्रिया मुश्किल हो गई है। मेहुल चोकसी अब यूरोप के कई देशों में बेरोकटोक आ-जा सकता है, जिससे भारत उसे वापस लाने के प्रयासों में बाधा पैदा हो गई है। मेहुल चोकसी अब स्विट्जरलैंड जाने की योजना बना रहा है। उसने अपनी स्वास्थ्य समस्याओं को कारण बताते हुए हिर्सलैंडन क्लिनिक आराउ में इलाज की बात कही है। यह अस्पताल कैंसर के इलाज के लिए जाना जाता है और माना जा रहा है कि मेहुल चोकसी मानवीय आधार पर प्रत्यर्पण में देरी करवाने की कोशिश कर रहा है। मेहुल चोकसी पर भारतीय बैंकिंग इतिहास के सबसे बड़े घोटालों में से एक, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में शामिल होने का आरोप है। मेहुल और उसके भतीजे नीरव मोदी पर 14 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी का आरोप है। भारत सरकार ने उन्हें भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर रखा है। अब देखना होगा कि क्या बेल्जियम सरकार भारतीय एजेंसियों के अनुरोध पर कार्रवाई करती है, या मेहुल स्विट्जरलैंड जाने में सफल होता है। फिलहाल, उसकी भारत वापसी की राह कठिन हो गई है।

क्या पाक के पूर्व पीएम नवाज शरीफ की फैमिली हो गई कंगाल?

–ब्रिटेन में हसन नवाज को क्यों किया गया दिवालिया घोषित?

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के बेटे हसन नवाज को ब्रिटेन में दिवालिया घोषित कर दिया गया है। यह स्थिति तब बनी जब हसन नवाज पर करीब 10 मिलियन पाउंड (1,12,13,64,000.00 भारतीय रुपए) का आयकर टैक्स बकाया पाया गया। लंदन प्रशासन ने इस मामले में सख्त कदम उठाते हुए हसन नवाज के खिलाफ दिवालिया घोषित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो अप्रैल 2025 में लागू हो सकती है।

यहां बताते चलें कि हसन नवाज पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भतीजे हैं और उनकी बहन मरियम नवाज पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री हैं। ब्रिटिश प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूची में हसन नवाज का नाम शामिल किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उनका आयकर टैक्स 2015-16 से बकाया है, जिस पर अब भारी जुर्माना लग चुका है। ब्रिटिश कानून के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति अपने करों का भुगतान करने में विफल रहता है, तो उसे दिवालिया घोषित किया जा सकता है और उसकी संपत्ति को जब्त कर बकाया राशि की वसूली की जा सकती है।

पनामा पेपर लीक में भी आया था नाम

हसन नवाज का नाम पनामा पेपर लीक मामले में भी सामने आया था, जिसमें उन पर अवैध संपत्ति अर्जित करने और काले धन को छुपाने का आरोप लगा था। इसी विवाद के बाद उन्होंने अपनी एक संपत्ति 38 मिलियन पाउंड में अली रियाज मलिक को बेच दी थी। हालांकि, उनके करीबी सूत्रों का दावा है कि उन्होंने अपने सभी टैक्स चुका दिए थे, लेकिन ब्रिटिश प्रशासन ने उनसे अतिरिक्त कर की मांग की, जिसे उन्होंने देने से इनकार कर दिया।

हाईकोर्ट के फैसले के बाद दिवालिया घोषित

ब्रिटिश आयकर विभाग ने इस मामले को हाईकोर्ट तक पहुंचाया, जहां सुनवाई के बाद अदालत ने हसन नवाज को दिवालिया घोषित कर दिया। अब अप्रैल 2025 से उनके पास मौजूद संपत्तियों की नीलामी कर ब्रिटिश प्रशासन अपने करों की वसूली कर सकता है।

लंबे समय से आर्थिक विवादों से घिरा

नवाज शरीफ का परिवार लंबे समय से आर्थिक विवादों से घिरा हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान में उनकी पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) (PML-N) सत्ता में बनी हुई है, लेकिन विदेशी संपत्तियों और कर विवादों के कारण उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। हसन नवाज का दिवालिया घोषित होना इस परिवार के लिए एक और बड़ा झटका माना जा रहा है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

वलसाड CID क्राइम

2004 के अपहरण और हत्या मामले में वांछित आरोपी बंटी पांडे को अल्मोड़ा जेल से कब्जे में लिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के वलसाड CID क्राइम ने कुख्यात गैंगस्टर बंटी पांडे को उत्तराखंड की अल्मोड़ा जेल से ट्रांजिट वारंट पर गिरफ्तार किया है। बंटी पांडे 2004 में वलसाड के एक उद्योगपति के बेटे के अपहरण और हत्या के मामले में वांछित था।

5 करोड़ की फिरौती मांगी थी

बंटी पांडे और उसके गिरोह ने 2004 में एक उद्योगपति के बेटे का अपहरण कर लिया था और परिवार से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। फिरौती मिलने से पहले ही उद्योगपति के बेटे की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में अन्य आरोपी पहले ही पकड़े जा चुके थे, लेकिन बंटी पांडे फरार था।

छोटा राजन का खास आदमी

बंटी पांडे कुख्यात गैंगस्टर छोटा राजन का बेहद करीबी माना जाता है। उसने कराची जाकर तीन बार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को मारने की कोशिश की थी।

गुजरात पुलिस ने बंटी पांडे को ट्रांसफर वारंट के जरिए 24 फरवरी को वलसाड जिले की वापी कोर्ट में पेश किया था। अब उससे पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

वापी कोर्ट ने आरोपी प्रकाश चंद पांडे उर्फ बंटी पांडे को जेल भेजा

वापी कोर्ट ने कुख्यात गैंगस्टर प्रकाश चंद पांडे उर्फ बंटी पांडे को IPC की धाराओं 364, 365, 384, 302, 201 और 120B के तहत नवसारी जेल भेज दिया है।

देशभर में 40 से ज्यादा केस दर्ज

बंटी पांडे के खिलाफ पूरे देश में हत्या, अपहरण और फिरौती के 40 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह एक लंबे समय तक फरार था, लेकिन हाल ही में वलसाड ष्टद्बष्ठ क्राइम ने उसे अल्मोड़ा जेल से ट्रांजिट वारंट के तहत गिरफ्तार किया था।

अब नवसारी जेल में उसे कड़ी सुरक्षा में रखा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

4 साल पहले जेल में साधु का वेश धारण किया था

चार साल पहले जेल में रहते हुए बंटी पांडे ने साधु का वेश धारण कर लिया था ताकि अपनी पहचान छिपा सके।

आजीवन कारावास की सजा

विभिन्न अदालतों ने उसे अलग-अलग अपराधों में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

अब भी दो आरोपी फरार

इस मामले में अभी भी विनोद और राजू धोबी नाम के दो आरोपी फरार हैं, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है।

कई राज्यों में फैला था आतंक

बंटी पांडे उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड सहित कई राज्यों में सक्रिय था।

उसके खिलाफ हत्या, अपहरण, रंगदारी और अवैध हथियार रखने के कई मामले दर्ज हैं।

वह पिछले कुछ समय से उत्तराखंड की अल्मोड़ा जेल में बंद था, जहां से गुजरात पुलिस ने उसे ट्रांजिट रिमांड पर लाया है।

सूरत जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी के निर्देशन में कार्रवाई

गभेणी गांव में अवैध झींगा तालाबों का करोड़ों की सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाया गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उधना क्षेत्र के गभेणी गांव की सरकारी पट्टे की जमीन पर बने अवैध झींगा तालाबों को हटाने के लिए प्रशासन ने मेगा डिमोलिशन अभियान चलाया। यह कार्रवाई उधना के मामलतदार ए. आर. नायक और उनकी टीम द्वारा महानगरपालिका के स्टाफ और साचिन GIDC पुलिस स्टेशन के सहयोग से की गई। गभेली गांव के ब्लॉक नंबर-483 की सरकारी जमीन पर लगभग 55,000 वर्ग मीटर क्षेत्र, जिसकी वर्तमान बाजार कीमत 41.25 करोड़ रुपये है, पर अवैध रूप से बनाए गए झींगा तालाबों को ध्वस्त किया गया।

शहर के आसपास के तटीय क्षेत्रों में बड़ी संख्या में सरकारी जमीन पर गैरकानूनी रूप से झींगा तालाब बनाए जाते हैं। इस मुद्दे पर बार-बार शिकायतें दर्ज की जाती रही हैं, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं हो रही थी। हालांकि, इस बार प्रशासन ने गभेणी क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को हटाने की कार्रवाई की, लेकिन ओलपाड़, चौर्यासी सहित कई अन्य तालुका क्षेत्रों में भी इसी तरह की स्थिति बनी हुई है। यदि कलेक्टर द्वारा गहराई से जांच कराई जाए, तो अभी भी कई अवैध झींगा तालाब सरकारी जमीन पर कब्जा जमाए हुए हैं।

शहीद दिवस का आयोजन

नवसारी में भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की याद में मशाल रैली निकाली गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवसारी में शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मशाल रैली का आयोजन किया गया।

देशभक्ति के नारे लगाते हुए युवाओं और नागरिकों ने शहर में रैली निकाली और शहीदों को श्रद्धांजलि दी। आयोजन के दौरान देशभक्ति गीतों और नारों से माहौल गूंज उठा।

शहीद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु की शहादत की याद में पूरे देश में शहीद दिवस मनाया जा रहा है। इन तीनों महान क्रांतिकारियों ने आज़ादी की लड़ाई में अपना जीवन बलिदान कर दिया था। अंग्रेजों ने आज ही के दिन उन्हें फांसी दी थी।

नवसारी जिले में इन शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए विभिन्न तालुकों में मशाल रैली का आयोजन किया गया। मुख्य रैली नवसारी के सर्किट हाउस से शहीद चौक तक निकाली गई।

ससुराल वालों की प्रताड़ना से विवाहिता ने की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के खटोदरा इलाके की गजानंद शेरी, अंबानगर-2 में रहने वाली 25 वर्षीय रीना उर्फ तुलसी धवलभाई जरिवाला ने 22 मार्च को दोपहर करीब 12 बजे अचानक फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर के कमरे में फंदे से लटकी विवाहिता का शव मिलने से सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही खटोदरा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर विवाहिता ने आत्महत्या क्यों की।**

पहले भी कर चुकी थी आत्महत्या की कोशिश

मृतका के पिता दीपकभाई मारु ने बताया कि ''मेरी बेटी रीना उर्फ तुलसी ने 22 मार्च, 2025 को दोपहर 12 बजे आत्महत्या कर ली। लेकिन मुझे लगता है कि उसके ससुराल वालों ने उसकी हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया।''

उन्होंने आगे बताया कि ''हमने अपनी बेटी की सगाई समाज के एक लड़के से करवाई थी, लेकिन उसकी मुलाकात धवल से हुई और दोनों को प्यार हो गया। जब उसने हमसे सगाई तोड़ने की बात कही, तो हमने मना कर दिया। इसके चलते मेरी बेटी ने एक बार जहर खा लिया था। बाद में हमने उसकी सगाई तोड़ दी।''

हमने बेटी की पसंद के लड़के को बुलाकर उसकी शादी करवाई मृतका रीना के पिता ने आगे बताया,''मुझे लगा कि अगर मेरी बेटी कोई बड़ा कदम उठा ले, उससे पहले ही उसे उसकी पसंद के लड़के से शादी करने देनी चाहिए।'' इसलिए उन्होंने धवल को बुलाया, जो उनकी बेटी को पसंद था।

पिता ने बताया कि ''जब हमने धवल जरिवाला से बातचीत की, तो पता चला कि वह एक वकील है। हमें लड़का अच्छा लगा, इसलिए हमने शादी के लिए हामी भर दी। लेकिन मैंने पहले ही धवल को बता दिया था कि मेरी बेटी का स्वभाव थोड़ा तेज है और हम गरीब परिवार से हैं। इस पर धवल ने कहा कि वह सब कुछ एडजस्ट कर लेगा।''

सास और फूई ने जबरदस्ती गर्भपात करवाया

करीब डेढ़ से दो साल पहले रीना और धवल ने कोर्ट मैरिज की थी, जिसके बाद एसएमसी के सामूहिक विवाह कार्यक्रम में रीति-रिवाजों के साथ शादी की गई।

मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि ''कुछ समय पहले मेरी बेटी गर्भवती हुई थी, लेकिन उसकी सास और फूई ने जबरदस्ती उसका गर्भपात करवा दिया।''

उन्होंने आगे कहा, ''मेरा दामाद धवल मेरी बेटी का बहुत ख्याल रखता था और हमेशा उसके पक्ष में रहता था। लेकिन उसके ससुराल वाले - सास-ससुर, काका-काकी और फूई - उसे जातिसूचक टिप्पणियां कर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे।''

पुलिस ने दोनों परिवारों के बयान दर्ज कर जांच शुरू की

स्पोर्ट्स बाइक ट्रक से टकराई 17 वर्षीय किशोर की मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 17 वर्षीय किशोर की जान चली गई, जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया।

घर से बिना बताए निकला, रास्ते में मौत हादसा तब हुआ जब किशोर बिना बताए घर से बाहर निकला और तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक ट्रक में जा घुसी। मृतक ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा पूरी की थी। हादसे में उसका मित्र गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूरत स्पोर्ट्स बाइक ट्रक से टकराई, 17 वर्षीय किशोर की मौके पर मौत

सूरत के डिंडोली इलाके में एक ब्रिज पर तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक ट्रक में घुस गई, जिससे 17 वर्षीय किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके 22 वर्षीय दोस्त को गंभीर चोटें आईं और उसे सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

घर से बिना बताए निकला, रास्ते में हादसा मृतक किशोर बिना घर पर बताए अपने पड़ोसी दोस्त के साथ बाइक पर निकला था, लेकिन रास्ते में ही उसकी जान चली गई।

किशोर ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा पूरी की थी।

शिवा ने हाल ही में 10वीं की परीक्षा दी थी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 17 वर्षीय शिवा आशिषभाई ओझा, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद का निवासी था, सूरत के डिंडोली इलाके के मणिनगर में अपने परिवार के साथ रहता था।

परिवार में पिता, माता और दो बहनें हैं। उसके पिता आशिषभाई कपड़े की दुकान में मजदूरी करके परिवार का गुजारा चलाते हैं।

शिवा 10वीं कक्षा में पढ़ता था और उसने हाल ही में बोर्ड परीक्षा पूरी की थी।

गंभीर चोटों के कारण शिवा की मौत, दोस्त अस्पताल में भर्ती

गंभीर चोट लगने के बाद शिवा और अरुण को 108 एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने शिवा को मृत घोषित कर दिया, जबकि अरुण के सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण उसका इलाज जारी है।

कपड़ा व्यापारी की बेटी ने डॉक्टर बनकर किया परिवार का नाम रोशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत कपड़ा बाजार के एक व्यापारी शेखर गोरीसरिया की बेटी आयुषी ने डॉक्टर बनकर परिवार का नाम रोशन किया है। आयुषी सेमीमेर कॉलेज की 2019 बैच की छात्र है एवं 2025 में एमबीबीएस की।

आयुषी गोरीसरिया ने बताया की इसके लिए उसने रात दिन मेहनत की एवं संकल्प लेकर उसको पूरा किया एवं दिखाया की बेटियाँ भी किसी क्षेत्र में कम नहीं है।

आयुषी की माता ममता गोरीसरिया ने बताया कि इसका बचपन से ही डॉक्टर बनने का सपना था।

इस मुकाक को हासिल करने के बाद उनके रिश्तेदारों, पड़ौसी एवं परिवार के लोगों के अलावा पैतृक गांव रतनगढ़ के लोगों ने भी बधाई दी।

सूरत के पांडेसरा में मारुति इंडस्ट्रियल में भीषण आग की घटना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मार्च महीने में सूरत शहर सहित राज्य के बड़े शहरों और ग्रामीण इलाकों में आग की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। कहीं पेपर मिल में आग लग रही है तो कहीं फैक्टरी में, जिससे लाखों का नुकसान हो रहा है। इन घटनाओं को काबू करने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। सूरत शहर के पांडेसरा इलाके में स्थित मारुति इंडस्ट्रियल में आज अचानक आग भड़क उठी। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया।

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध मारुति इंडस्ट्रियल के गद्दों के गोदाम की पहली मंजिल में आग लगी थी। जब धुएं के गुबार उठते दिखाई दिए, तो तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। चूंकि यह एक गद्दों का गोदाम था, इसलिए आग तेजी से भीषण रूप लेती गई। हालांकि, फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और लगातार पानी की बौछार कर कड़ी मशक्कत के बाद इस विकराल आग पर काबू पा लिया। इस आग की घटना के कारण आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। हालांकि, इस गोदाम में आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

श्री जीण माता मंदिर प्राण प्रतिष्ठा तीन अप्रेल को

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री जीण माता सेवा ट्रस्ट द्वारा न्यूसिटी लाइट स्थित देवसर माता मंदिर प्रांगण में माँ जीण के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तीन अप्रेल को की जाएगी। ट्रस्ट के कमल टाटनवाला एवं अशोक चौकड़िका ने बताया की इस अवसर पर अनेकों कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में एक अप्रेल को पूजा विधान की शुरुआत होगी। दो अप्रेल को सुबह सात बजे से प्रतिमा का नगर भ्रमण, दस बजे से पूजा विधान एवं शाम चार बजे से हवन का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्ट के अमित दोदराजका ने बताया कि तीन अप्रेल को दोपहर सवा बारह बजे प्राण प्रतिष्ठा एवं एक बजे महाआरती होगी। इस मौके पर सवा एक बजे से कन्या पूजन होगा एवं उसके बाद महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा।